श्रर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 158 | गुवाहाटी | बुधवार, 3 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

तीनों आपराधिक कानूनों को 26 जनवरी से पहले अधिसूचित करने की तैयारी... पेज 2
दस को गुवाहाटी पहुंचेंगे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पेज 3
भाजपा 34 हजार गांवों में चलाएगी चलो गांव की ओर अभियान पेज 5
लियोन के तीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में सचिन, विराट भी शामिल पेज 7

नए हिट एंड रन मामला : मोदी सरकार ने मोटर ट्रांसपोर्टर्स की बुलाई मीटिंग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के *नए हिट एंड रन* कानून पर देशभर में बवाल मचा हुआ है। ट्रक व निजी बसों चालकों की तीन दिवसीय हड़ताल के दूसरे दिन देशभर में चक्काजाम कर जबरदस्त विरोध हो रहा है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र समेत कई प्रदेशों में ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल के चलते हाहाकार मचा हुआ है। पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। विभिन्न राज्यों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने आज मंगलवार को ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्टर्स की मीटिंग बुलाई है। यह बैठक शात सात बजे की करीब शुरू होगी। खबरों के मुताबिक, विभिन्न राज्यों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के देखते हुए केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला आज मंगलवार को ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्टर्स कांग्रेस के साथ बैठक करेंगे, ताकि हालात को नियंत्रण में रखा जाए और आम लोगों को किसी परेशानी का सामना ना करना पड़े। ड्राइवरों और ट्रक चालकों ने नए दंड कानून में कड़े *हिट-एंड-रन* प्रावधान पर निराशा व्यक्त की है। ट्रांसपोर्टरों के विभिन्न संगठनों के संयुक्त मोर्चा अध्यक्ष चौधरी वेदपाल ने बताया कि जब तक सरकार यह कानून वापस नहीं लेती, तब तक ट्रांसपोर्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। आज शाम तक हम बैठक करके इस पर कोई ठोस निर्णय लेंगे। जल्द ही -शेष पृष्ठ दो पर

ड्राइवरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल से पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें

नई दिल्ली। हिट एंड रन मामले में ड्राइवरों के लिए 10 साल की जेल के प्रस्ताव वाले भारतीय न्याय संहिता में बदलाव के खिलाफ ड्राइवरों की देशव्यापी हड़ताल से देश के विभिन्न हिस्सों में आवश्यक सेवाएं प्रभावित हुई हैं। शहरों के कई पेट्रोल पंप स्टेशनों पर ईंधन खत्म हो गया है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है। हिट एंड रन प्रावधान ने ट्रांसपोर्टरों को नाराज कर दिया है और उनका दावा है कि यह कठोर साबित होगा। पहले हिट एंड रन के तहत दर्ज मामलों में दो साल की सजा होती थी। ट्रांसपोर्टरों के अनुसार, यह कदम -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रक चालकों की हड़ताल को मिला कांग्रेस का समर्थन

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हिट-एंड-रन (सड़क दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाना) के मामलों में कड़ी सजा के प्रावधान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे ट्रक चालकों का समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा कि कानून का दुरुपयोग *वसूली तंत्र* और *संगठित भ्रष्टाचार* को बढ़ावा दे सकता है। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर अवसंरचना क्षेत्र में निवेश को रोकते हुए *गरीब को दंडित* करने का आरोप लगाया। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार की रणनीति जनसंपर्क (पीआर) करने और कुछ भी प्रदान नहीं करने की है। उन्होंने *एक्स* पर कहा कि भाजपा के *अच्छे दिन* से लेकर *अमृत काल* तक, भारत की प्रगति को रोकने की राह में -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

लोस चुनाव से पहले आ जाएंगे सीएए : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के नियम जारी करने में हो रही देरी के कारण गृह मंत्रालय कठघरे में है। ताजा घटनाक्रम में गृह मंत्रालय के अधिकारी ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के नियमों की अधिसूचना जारी करने के बारे में अहम बयान दिया है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि लोकसभा चुनाव की घोषणा से *काफी पहले* नियम अधिसूचित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही सीएए के लिए नियमावली जारी करेगी। गृह मंत्रालय के इस वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि एक बार नियम जारी होने के बाद, कानून लागू किया जा सकेगा। नागरिकता संशोधन कानून लागू होने के बाद नियमों के तहत पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता भी दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि चार साल से अधिक की देरी के बाद, सीएए के कार्यान्वयन के लिए नियम जरूरी हैं। क्या इस कानून के नियम अप्रैल-मई में संभावित लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले अधिसूचित हो जाएंगे? इस सवाल पर वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि हां, चुनाव के एलान से काफी पहले नियम जारी कर दिए जाएंगे। अधिकारी ने कहा कि नियम तैयार हैं और ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार है। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदकों को वह साल बताना होगा, जब उन्होंने यात्रा दस्तावेजों के बगैर भारत में प्रवेश किया था। आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। गौरतलब है कि विगत 27 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानून के कार्यान्वयन को लेकर कोलकाता में बयान दिया था। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। शाह के मुताबिक सीएए को लागू करना भाजपा की प्रतिबद्धता है। सीएए का कार्यान्वयन कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि यह देश का कानून है। गौरतलब है कि संसदीय नियमावली के अनुसार, किसी भी कानून के नियम राष्ट्रपति की सहमति के छह महीने के भीतर तैयार हो जाने चाहिए। ऐसा न होने पर लोकसभा और राज्यसभा में अधीनस्थ विधान समितियों से और समय मांगने का भी प्रावधान है। नियम बनाने के लिए साल 2020 के बाद गृह मंत्रालय नियमित अंतराल पर कई संसदीय समितियों से एक्सटेंशन लेता रहा है। संसद के दोनों सदनों से विधेयक पारित होने के बाद दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। विरोध में देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। विरोध प्रदर्शन या पुलिस की कार्रवाई के दौरान 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। गृह मंत्रालय के मुताबिक नौ राज्यों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी जा सकती है। इनमें गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र शामिल हैं। इन नौ राज्यों के 30 से अधिक जिला मजिस्ट्रेटों और गृह सचिवों को नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत अधिकार दिए गए हैं। इन जिलों के अधिकारियों को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने की शक्तियां दी गई हैं। असम और पश्चिम बंगाल में यह मुद्दा राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील है। इन दो राज्यों के किसी भी जिले के अधिकारियों को अब तक नागरिकता देने के अधिकार नहीं दिए गए हैं। वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार गृह मंत्रालय ने आठ महीने में (अप्रैल-दिसंबर, 2021) कुल 1,414 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी। इसके लिए पंजीकरण या देशीयकरण सिद्धांत का सहारा लिया गया।

गुणोत्सव : राज्यव्यापी अभियान में छात्रों और स्कूलों का होगा मूल्यांकन

डिब्रूगढ़। असम सरकार 3 जनवरी से 8 फरवरी तक लगभग 40 लाख छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक राज्यव्यापी अभ्यास *गुणोत्सव 2024* आयोजित करेगी। शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। एक संवाददाता सम्मेलन में इस वर्ष की मूल्यांकन प्रक्रिया की घोषणा करते हुए, पेगू ने कहा कि इस अभ्यास से सीखने के बेहतर परिणामों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास राज्य के 35 जिलों के 43,498 सरकारी स्कूलों में किया जाएगा, जिसमें 39,63,542 छात्र शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि गुणोत्सव में शिक्षकों, छात्रों, प्रशासकों और स्थानीय समुदायों के सभी हितधारकों की भागीदारी होगी, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उनके बीच जवाबदेही बढ़ेगी। इस साल का अभ्यास तीन -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने बुलाई बजट की तैयारी को लेकर बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आज असम बजट 2024-25 के लिए दूसरी तैयारी बैठक की अध्यक्षता की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उन्होंने असम बजट 2024-2025 के लिए दूसरी तैयारी बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अब तक 16 विभागों के बजटीय प्रस्तावों की समीक्षा की है। उनका उद्देश्य एक ऐसा बजट पेश करना है जो संसाधनों के अधिकतम् आवंटन के साथ विकासोन्मुख, पूंजी जुटाने वाला और यथार्थवादी हो।

मणिपुर : आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर की फायरिंग

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के तेंगनौपाल जिले के मोरेह शहर में एक बार फिर से तवान फैल गया। मंगलवार को यहां सुरक्षा बलों और संदिग्ध आतंकवादियों के बीच फिर से गोलीबारी हुई। पुलिस के मुताबिक राजधानी इम्फाल से करीब 107 किलोमीटर दूर चवांगफाई इलाके में ये गोलीबारी मंगलवार सुबह उस समय हुई जब पुलिस ने तलाशी अभियान के तहत दो लोगों हिरासत में लिया था। दोनों लोगों को एक दिन पहले पुलिस कर्मियों पर हुए हमले में शामिल होने के आरोप में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

चोर और राज कर्मचारियों से धन की रक्षा करनी चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ज्ञानवापी : एससी में वजूखाना को साफ कराने की मांग

नई दिल्ली (हि.स.)। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक और अर्जी दाखिल की गई है। हिंदू पक्ष ने इस याचिका में सर्वे के दौरान मिले कथित शिवलिंग वाले सील वजूखाने को साफ कराने की मांग की गई है। हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन की ओर से दाखिल अर्जी में मांग की गई है कि वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को आदेश जारी किया जाए कि वो टैंक की सफाई कराए। अर्जी में कहा गया है कि मई, 2022 से मुस्लिम पक्ष के वजूखाने की सफाई नहीं हुई है, जिसकी वजह से पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने राज्य में परिवर्तन के लिए आठ प्रतिष्ठित परियोजनाओं की पहचान की

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 2 जनवरी को माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर राज्य के भविष्य के लिए एक अभूतपूर्व दृष्टिकोण की घोषणा की, जिसमें आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को उनके संभावित परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए प्रतिष्ठित परियोजनाओं के रूप में पहचाना गया। महत्वाकांक्षी योजना में स्वास्थ्य देखभाल और परिवहन से लेकर शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण तक विविध क्षेत्र शामिल हैं। स्वास्थ्य देखभाल मानकों को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का पुनर्विकास राज्य की बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करते हुए चिकित्सा सुविधाओं और सेवाओं को बढ़ाने -शेष पृष्ठ दो पर

देश में कोरोना के 573 नए मामले आए सामने, दो की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में कोरोना के नए मामले में लगातार बड़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 573 नए मामले सामने आए हैं। इसी दौरान इससे दो लोगों की मौत हुई है। साथ ही इस अवधि में 400 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के एक्टिव मामले बढ़कर 4565 हो गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक कर्नाटक से सबसे ज्यादा कोरोना के मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

टोक्यो एयरपोर्ट पर दो विमानों के बीच टक्कर एक प्लेन में लगी आग; पांच क्रू मेंबर्स की मौत

टोक्यो। जापान में जोरदार भूकंप के बाद एक बार फिर एक बड़ी अनहोनी की खबर सामने आ रही है। जापान एयरलाइंस के एक विमान के साथ एक तटरक्षक विमान की टक्कर हो गई। इस जोरदार टक्कर के बाद टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के रनवे पर आग लग गई। निप्पॉन टीवी ने इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि तटरक्षक विमान में छह लोग सवार थे, जिनमें से एक शख्स जान बचाकर भाग निकला, लेकिन पांच लोगों की मौत हो गई है। जापान की सार्वजनिक प्रसारणकर्ता एनएचके पर लाइव फुटेज में विमान की खिड़कियों से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं। जापान एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने कहा कि होक्काइडो के शिन-चिटोस हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला विमान 300 से अधिक यात्रियों को ले जा रहा था। जापान एयरलाइंस और एनएचके द्वारा हानेडा हवाई अड्डे -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भाजपा की अहम बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। अयोध्या में होने जा रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में दिन भर बैठकों का दौर जारी रहा। पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर व्यापक योजना तैयार की गई। इसके साथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद के कार्यक्रमों पर भी गहन चर्चा की गई और नेताओं की जिम्मेदारी तय की गई। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित सभी प्रदेशों के अध्यक्ष और महासचिव मौजूद रहे। सूत्रों के -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने तिरुचिरापल्ली में 20 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

तमिलनाडु बन रहा है मेक इन इंडिया का प्रमुख ब्रांड एंबेसडर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में 20,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित और शिलान्यास किया। विकास परियोजनाओं में तमिलनाडु में रेल, सड़क, तेल और गैस और शिपिंग क्षेत्र जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सभी के लिए फलदायी और समृद्ध नए साल की कामना की और प्रसन्नता व्यक्त की कि 2024 में उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम तमिलनाडु में हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज 20,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं तमिलनाडु की प्रगति को मजबूत करेंगी। उन्होंने राज्य के लोगों को रोडवेज, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, ऊर्जा और पेट्रोलियम पाइपलाइनों के क्षेत्रों में फैली परियोजनाओं के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनमें से कई परियोजनाओं से यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और राज्य में रोजगार के हजारों अवसर भी पैदा होंगे। तमिलनाडु के लिए पिछले तीन कठिन हफ्तों का जिक्र करते हुए कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव के लिए भाजपा ने दिया नया नारा

तीसरी बार मोदी सरकार अबकी बार 400 पार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए नया नारा दिया है। *तीसरी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार*। बता दें कि साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने नारा दिया था अबकी बार मोदी सराकर। ये नारा तत्कालीन लोकसभा चुनाव में इतना पॉपुलर हुआ था कि हर किसी की जुबान पर सिर्फ मोदी सरकार, मोदी सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

तीनों आपराधिक कानूनों को 26 जनवरी से पहले अधिसूचित करने की तैयारी में है गृह मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। गृह मंत्रालय (एमएचए) 26 जनवरी से पहले तीनों नए आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) को अधिसूचित करने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्रालय इन तीनों कानूनों के अधिसूचित होने के तुरंत बाद इन नए कानूनों के प्रति पुलिस अधिकारियों, जांचकर्ताओं और फोरेंसिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस दौरान उन 3,000 लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो बाद में अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों

को नए कानून के बारे में प्रशिक्षण देंगे। सरकार न्याय पालिका और पुलिस विभाग सहित संबंधित अन्य विभागों के लोगों को 9 से 10 महीने में प्रशिक्षित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है, जिससे जल्द से जल्द कानून को सरलता पूर्वक अमल में लाया जा सके। गृह मंत्रालय का कहना है कि बीते शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आपराधिक न्याय कानूनों से जुड़ी 12 संदर्भ पुस्तकों का विमोचन किया है। इन पुस्तकों में कानूनों में किए गए बदलावों को संक्षिप्त और सरल तरीके से स्पष्ट रूप से सामने लाया गया है। ये पुस्तकें अब लोगों के लिए उपलब्ध हैं।

देश की सुरक्षा प्रणाली के लिए खतरनाक है अग्निपथ स्कीम : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल (सेनि.) रोहित चौधरी ने कहा कि अग्निपथ स्कीम देश की सुरक्षा प्रणाली के लिए बेहद खतरनाक और घातक है। सेना के पूर्व प्रमुख एमएम नरवणे ने खुद अपनी किताब में लिखा है कि अग्निपथ स्कीम सेनाओं के लिए चौंकाने वाली योजना थी। पूर्व प्रमुख एमएम नरवणे के अनुसार ये उनकी मांगी हुई स्कीम नहीं थी। चौधरी ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ी बात, जो भर्तियां रद्द की गईं, उसमें आवेदकों से फॉर्म फीस के नाम पर 100 करोड़ से ज्यादा रुपए इकट्ठा किए गए। ये 100 करोड़ का *भर्ती स्कैम* है! आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? चौधरी ने कहा कि अग्निपथ स्कीम आने से पहले

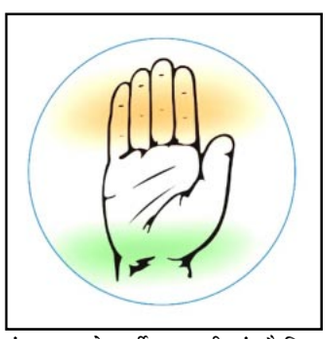

करीब 1.5 लाख से ज्यादा युवा आर्मी, एयरफोर्स और नेवी में चयनित किए गए थे लेकिन अग्निपथ स्कीम आने के बाद मोदी सरकार ने इनके सपनों को चूर-चूर कर दिया। 7,000 युवा एयरफोर्स में अपने जॉइनिंग लेटर का इंतजार करते रहे लेकिन उन्हें लेटर नहीं दिया गया। इसी तरह आर्मी में 2,500 नर्सिंग असिस्टेंट को देश सेवा का मौका नहीं दिया गया। चौधरी ने कहा कि हमारी मांग है कि आर्मी-एयरफोर्स की जिन 100 भर्तियों में 1.5 लाख से ज्यादा बच्चे चयनित किए गए थे, उन्हें तुरंत जॉइनिंग दी जाए। भर्ती फीस के नाम पर जो 100 करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा इकट्ठा किया गया है, देश को उसका हिसाब दिया जाए। 64 युवाओं की आत्महत्या का जिम्मेदार कौन है? इन 1.5 लाख युवाओं को उचित सम्मान और आयु सीमा में छूट दी जाए।

कछार में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर किया गया है। कछार पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जिले की धोलाई पुलिस ने सारसपुर में एक मोटरसाइकिल (एएस-11-वाई-1753) को रोका और ब्राउन शुगर होने के संदेह में बीस प्लास्टिक साबुन के डिब्बे की तलाशी ली। पुलिस ने रसिक उद्दीन लस्कर (35) के कब्जे से 260 ग्राम ड्रग्स बरामद की। पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

महाभैरव पुलिस ने ड्रग्स तस्कर को किया गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। जिला मुख्यालय तेजपुर में पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान फारूक हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस ने फारूक से ड्रग्स खरीदने गए एक अन्य युवक को भी हिरासत में लिया है, जिसकी पहचान देबजीत रॉय के रूप में हुई है। यह अभियान तेजपुर के गोटलोंग के भीतरी हिस्से में चलाया गया था।

किसी भी बुरी ताकत के आगे नहीं झुकेंगे : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने सोमवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में टीएमसी के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही पार्टी

कार्यकर्ताओं से बुरी ताकतों का विरोध करने को कहा। गौरतलब है कि साल 1998 में आज ही के दिन यानी एक जनवरी को ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का गठन किया था। ममता बनर्जी ने मातृभूमि का सम्मान करने, राज्य के हितों के लिए कार्य करने और जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ विश्वास की अभिव्यक्ति के रूप में टीएमसी के गठन का महत्व रेखांकित किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वह पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और समर्थक के समर्पण और आत्म-बलिदान का विनम्रतापूर्वक सम्मान करती हैं। आज, टीएमसी परिवार को सभी के प्यार और स्नेह का आशीर्वाद मिला है। बनर्जी ने देश के आम लोगों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि यह आपके अटूट समर्थन के बल पर हम इस महान लोकतांत्रिक देश में सभी के लिए आवाज उठाते रहेंगे। किसी भी बुरी ताकत के सामने झुकेंगे नहीं। गौरतलब है, वर्ष 1998 में कांग्रेस से अलग होकर ममता बनर्जी ने टीएमसी का गठन किया। पार्टी 2001 और 2006 में दो असफल प्रयासों के बाद 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराकर सत्ता में आई।

सिलापथार में होटल स्टाफ का शव बरामद

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के सिलापथार के दीपा में एक होटल के कर्मचारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सिलापथार के लखीपुर निवासी दिनेश टायेर (23) के रूप में हुई है। युवक दीपा के बेरी नामक एक होटल का कर्मचारी था। युवक का शव आज होटल के सामने एक पेड़ से लटकता हुआ मिला। मृतक के गले में फंदा लगा हुआ था। बेहद गरीब परिवार से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाला युवक गरीबी के चलते होटल में काम कर रहा था। युवक की रहस्यमयी मौत को मृतक के परिजन हल्के में नहीं ले पाए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया कि बेहद मासूम और शांत मृतक की सुनियोजित तरीके से हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए पेड़ पर लटका दिया गया। मृतक का मोबाइल फोन भी होटल के बगल में एक तालाब के किनारे मिला। तालाब के किनारे की ओर पैदल चलने के भी स्पष्ट चिन्ह देखे जा रहे हैं। इस बीच, सीसीटीवी फुटेज में होटल के सभी कर्मचारी रात में पार्टी में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इस साल भारत में न तो सूर्यग्रहण दिखेगा और न चंद्रग्रहण

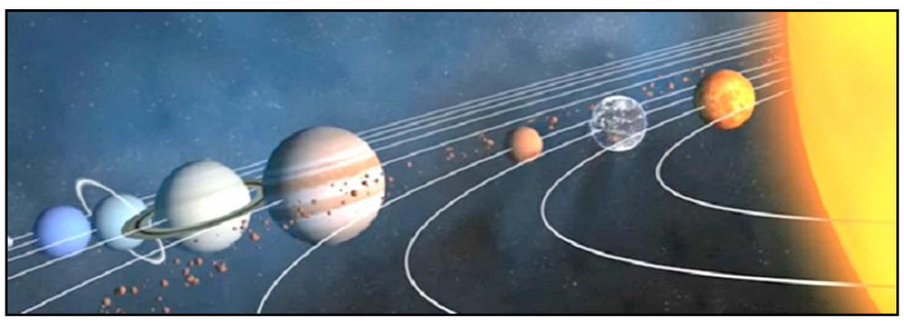

भोपाल (हि.स.)। इस साल 2024 में वैसे तो विश्व में दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण की खगोलीय घटनाएं होंगी, लेकिन इस कैलेंडर वर्ष में भारत के भूभाग पर न तो सूर्यग्रहण दिखाई देगा और न ही चंद्रग्रहण दिखेगा। अब भारत में अगला चंद्रग्रहण 7 सितंबर, 2025 को और आंशिक सूर्यग्रहण 2 अगस्त, 2027 को देख पाएंगे। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने मंगलवार को बताया कि इस साल 2024 में दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण होंगे, लेकिन इनमें से तीन ग्रहण सम्पूर्ण भारत में नहीं दिखाई देंगे। केवल 18 सितंबर को सुबह पश्चिमी भारत के कुछ नगरों में कुछ मिनट के लिए उपछाया चंद्रग्रहण होगा। उपछाया ग्रहण को न ही देखा जा सकता है और न ही इसकी धार्मिक मान्यता बताई गई है। इसीलिए 2024 भारत के लिए ग्रहणविहीन साल होगा। सारिका घारू ने बताया कि सूर्य की परिक्रमा करते हुए पृथ्वी और पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए चंद्रमा के एक कतार में आ जाने से दिखने वाली खगोलीय घटना का कोण इस प्रकार होगा कि इसे भारतीय भू भाग से नहीं देखा जा सकेगा। सूर्यग्रहण की घटना तब हो रही होगी, जब भारत में रात होगी तो वहीं चंद्रग्रहण की घटना के समय भारत में दिन निकल चुका होगा। उन्होंने बताया कि बताया कि एक साल में चार से लेकर सात तक ग्रहण हो सकते हैं, जिनमें एक साल में दो से लेकर पांच तक सूर्यग्रहण हो सकते हैं। चंद्रग्रहण भी एक साल में दो से लेकर पांच तक हो सकते हैं। आमतौर पर एक साल में दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण होते हैं, लेकिन पृथ्वी के किसी एक भूभाग या देश से कितने ग्रहण दिखेंगे, यह हर बार बदलता रहता है। अब भारत में अगला चंद्रग्रहण 7 सितंबर, 2025 को और आंशिक सूर्यग्रहण 2 अगस्त, 2027 को देख पाएंगे।

अदालत ने दो गवाहों के खिलाफ झूठी गवाही देने पर शुरू की कार्रवाई

उधमपुर (हिंस)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उधमपुर हक नवाज जरगर ने स्टेट बनाम प्रेम चंद के मामले में मुकरने वाले दो गवाहों के खिलाफ झूठी गवाही की कार्रवाई शुरू की है। एक अभूतपूर्व मामले में आरोपी को बरी करते हुए अदालत ने कहा कि दो सिविल गवाह बृज मोहन पुत्र स्वर्गीय राम कृष्ण निवासी तहसील कठुआ और गुरचरण सिंह पुत्र राजिंदर सिंह निवासी बरनोटी तहसील और जिला कठुआ ने पहले बयान दर्ज करवाए तथा जांच के दौरान मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 164-ए के तहत मामला दर्ज किया, लेकिन दोनों इस अदालत में अपने बयानों से मुकर गए। फाइल के अवलोकन से पता चलता है कि उपरोक्त दोनों गवाहों ने मजिस्ट्रेट द्वारा दर्ज की गई संतुष्टि के बाद सीआरपीसी की धारा 164-ए के तहत अपने बयान दिए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उपरोक्त दोनों गवाहों ने वर्तमान मामले में आरोपी अपराधी को बचाने के लिए मुकदमे के दौरान जानबूझकर इस अदालत में झूठे बयान दिए हैं।

पृष्ठ एक का शेष

नए हिट एंड रन मामला...

पूर्ण रूप से चक्का जाम की घोषणा की जाएगी। हिट एंड रन उसे कहते है जब गाड़ी की टक्कर के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो जाता है। इस मामलों में घायल शख्स को समय रहते अस्पताल पहुंचाने या प्राथमिक इलाज मिलने पर बचाया भी जा सकता है। आईपीसी के पुराने कानून के मुताबिक हिट एंड रन केस में दो साल की सजा थी और जमानत भी मिल जाती थी। नया नियम के मुताबिक अगर सड़क दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक पुलिस को टक्कर की सूचना दिए बिना मौके से फरार होता है तो उसे 10 साल की जेल और जुर्माना देना पड़ेगा। यह नए नियम निजी वाहन चालकों पर भी समान रूप से लागू कि जाएंगे। इसी कारण देश में कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि नए कानून के प्रावधान कुछ ज्यादा ही सख्त हैं, इन्हें नरम किया जाए। मोटर चालकों से जुड़े हिट-एंड-रन सड़क दुर्घटना मामलों के संबंध में नए कानून के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने सोमवार को महाराष्ट्र में कई स्थानों पर *रास्ता रोको* विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों के अनुसार, ट्रक चालकों ने ठाणे जिले के मीरा भयंदर इलाके में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर यातायात को कुछ देर के लिए ब्लॉक कर दिया और पुलिस पर पथराव किया, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पथराव से पुलिस का एक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि सोलापुर, कोल्हापुर, नागपुर और गोंदिया जिलों में भी सड़कें ब्लॉक कर दी गईं, नवी मुंबई और अन्य स्थानों पर स्थिति अभी नियंत्रण में है।

ड्राइवरों की राष्ट्रव्यापी...

लोगों को ट्रक ड्राइविंग को पेशे के रूप में चुनने से हतोत्साहित करेगा, जिससे हजारों लोगों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। हड़ताल से देश के विभिन्न हिस्सों में आवश्यक सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल और अन्य आपूर्ति श्रृंखला की कमी हो गई है। भोपाल में, कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो गया है और मालिकों को *सेवा से बाहर* का साइन बोर्ड लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। भोपाल के पिपलानी में अन्य पेट्रोल स्टेशनों पर ईंधन के लिए लंबी कतारें देखी गईं, जिससे यात्रियों को अपनी बारी के लिए कम से कम दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा। लोगों ने सरकार से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है. इस बीच, हरियाणा में कई ट्रांसपोर्टरों ने डीजल और पेट्रोल को ईंधन स्टेशनों तक पहुंचाने के लिए अपने टैंकर इंडियन ऑयल रिफाइनरी में नहीं भेजे हैं। इससे उत्तर भारत में ईंधन की कमी हो गई है. इससे पहले, ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने कहा था कि उसने हड़ताल का कोई आह्वान नहीं किया है। ट्रक चालक संगठन ने कहा कि हड़ताल का फैसला ड्राइवरों ने खुद लिया है। एआईएमटीसी ने कहा कि वे इस बात से हैरान हैं कि सरकार ने ऐसा कानून बनाने से पहले उनसे सलाह नहीं ली। एआईएमटीसी के पदाधिकारियों ने कहा कि वे भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए मंगलवार को एक वर्चुअल बैठक कर रहे हैं। हम सरकार के साथ चर्चा करने की कोशिश करेंगे ताकि हम नए हिट एंड रन प्रावधान का समाधान निकाल सकें।

ट्रक चालकों की ...

सिर्फ काल्पनिक मील के पत्थर हैं। हिट-एंड-रन (दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाना) मामलों के लिए नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जेल और जुर्माने की सजा के कड़े प्रावधान हैं, जिसके खिलाफ कुछ ट्रक, बस और टैंकर संचालकों ने सोमवार को तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की। खरगे ने कहा कि अवसंरचना परियोजनाओं को मोदी सरकार का वित्तपोषण 14 साल में सबसे कम है। भाजपा कड़े कानूनों के माध्यम से गरीब ट्रक चालकों को अन्यायपूर्ण रूप से परेशान करना और दंडित करना चाहती है, लेकिन उसकी सरकार देश की प्रगति के लिए नए अवसंरचना निर्माण में निवेश नहीं करना चाहती है। कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि उनकी लूट और सुस्ती साथ-साथ चलती है। पिछले बजट में पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) में बढ़ोतरी के फर्जीवाड़े के बावजूद, सरकार द्वारा वित्त पोषित नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के मूल्य में पिछले वर्ष की तुलना में 81 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इसी अवधि में निजी निवेश के मूल्य में भी 78 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो गैर-अनुकूल वातावरण का संकेत करता है। उन्होंने दावा किया कि 837 अवसंरचना परियोजनाएं तीन साल से अधिक समय से विलंबित हैं और केंद्रीय क्षेत्र की 23 फीसदी अवसंरचना परियोजनाओं की लागत 4.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार की तीन रणनीतियां हैं।

1. गरीब को दंडित करना और उन्हें लूटते रहना।
2. सार्वजनिक संपत्ति को बेचना, निवेश रोकना और उन्नति बाधित करना।
3. पीआर प्रोपगैंडा करना, लेकिन देना कुछ भी नहीं।

औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता की जगह लेने वाले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में प्रावधान है कि लापरवाही से गाड़ी चलाकर गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बनने वाले और पुलिस या प्रशासन के किसी भी अधिकारी को सूचित किए बिना भागने वाले वाहन चालकों को 10 साल तक की सजा या सात लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है।

मणिपुर : आतंकियों ने ...

हिरासत में लिया गया था। इस दौरान महिलाओं ने पकड़े गए दोनों लोगों को छुड़ाने की कोशिश की। इस दौरान आतंकवादियों ने पुलिस कर्मियों पर गोलियां बरसा दी वहीं जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां दागी। वहीं सोमवार को मणिपुर के थौबल जिले में सुरक्षाकर्मियों और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान आतंकियों ने गोली 0मारकर तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी, वहीं पांच लोग जख्मी हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा के बाद राज्य के पांच जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया था। अधिकारी के मुताबिक गोलीबारी के दौरान घायल हुए लोगों में चार पुलिसकर्मी और सीमा सुरक्षा बल का एक कांस्टेबल है। राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हिंसा की निंदा करते हुए लोगों से शांति की अपील की है। एक बयान जारी कर सीएम ने कहा कि उन्होंने आतंकवादियों द्वारा लीक किए गए कुछ वीडियो देखे हैं। केंद्रीय और राज्य पुलिसकर्मी मिलकर उग्रवाद का मुकाबला कर रहे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि हिंसा में म्यांमार की तरफ से विदेशी ताकतों के शामिल होने का संदेह है। सीएम ने कहा कि ये राज्य के लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, कि हम इस तरह की धमकी और दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। इससे पहले सीएम ने इसे *गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा* और मणिपुर को *अस्थिर करने का प्रयास* बताया था। उन्होंने ये भी कहा था कि एक प्रतिनिधिमंडल केंद्र के प्रतिनिधियों से मिलने और उन्हें हालात से अवगत कराने के लिए जल्द ही दिल्ली रवाना होगा। आपको बता दें कि पिछले 30 दिसंबर से भारत-म्यांमार सीमा के पास मोरेह शहर में पिछले साल 30 दिसंबर से सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हो रही है। इस दौरान कई लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य ...

के लिए निर्धारित है। उधर शहरी गतिशीलता चुनौतियों का समाधान करते हुए, दिघालिपुखुरी को नूनमाटी से जोड़ने वाला एक नया फ्लाईओवर यातायात प्रवाह को सुव्यवस्थित करेगा, भीड़भाड़ को कम करेगा और गुवाहाटी के केंद्र में कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। वहीं खेलों को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए, नेहरू स्टेडियम एक विश्व स्तरीय फुटबॉल क्षेत्र में परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे एथलीटों और उत्साही लोगों के लिए समान अवसर पैदा होंगे। प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय और पशु बचाव केंद्र की स्थापना वन्यजीव संरक्षण और शिक्षा, लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए आश्रय प्रदान करने और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए असम की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। शिक्षा के लिए संसाधनों को समर्पित करते हुए, कनकलता विश्वविद्यालय का निर्माण शैक्षणिक परिदृश्य को ऊपर उठाने, विभिन्न विषयों में नवाचार और ज्ञान प्रसार को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। उधर वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिए, असम राज्य चिड़ियाघर का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिससे विभिन्न प्रजातियों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित होगा और जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। असोम माला 2.0 के तहत एक व्यापक सड़क बुनियादी ढांचे के उन्नयन का लक्ष्य 1,000 किमी से अधिक सड़कों का नवीनीकरण करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और राज्य भर में कनेक्टिविटी में सुधार करना है। महत्वपूर्ण परिवहन आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए, रणनीतिक ईटीएमई 2.500 टू-लेन कैमेगावा सहित 1,000 किमी सड़कों का निर्माण और उन्नयन, कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और आसान परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी योजना में दीपोर बील ड्राइववे निर्माण का विकास भी शामिल है।

टोक्यो एयरपोर्ट पर...

पर लगाए गए कैमरों के वीडियो फुटेज में वह भयावह क्षण कैद हो गया जब विमान के नीचे उतरने के तुरंत बाद उसमें से आग की लपटें निकलने लगीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान के रनवे पर उड़ान भरने के दौरान आग और धुएं का एक बड़ा विस्फोट दिखाई दिया। इसके बाद विंग के आसपास के क्षेत्र में आग लग गई। एक घंटे बाद के फुटेज में दिखाया गया कि विमान पूरी तरह से आग में घिरा हुआ था। स्थानीय टीवी वीडियो में दिखाया गया कि जापान एयरलाइंस का एक विमान जब रनवे पर चढ़ रहा था तो उसमें से भयानक में आग की लपटें निकलते हुए देखी गई। इसके बाद विंग के आसपास के क्षेत्र में भी आग लग गई। एनएचके टीवी ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान जेएएल फ्लाइट 516 था जो जापान के शिन चिटोस हवाईअड्डे से हनेडा के लिए उड़ान भरी थी। एयरलाइन ने कहा कि सभी 379 यात्रियों और चालक दल को निकाल लिया गया है। सार्वजनिक प्रसारणकर्ता एनएचके पर लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान सड़क से नीचे फिसलते ही आग की लपटों में घिर गया और अग्निशमन दल आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। वहीं, जापान के तट रक्षक ने कहा कि वह इस संभावना की जांच कर रहा है कि उसका एमए-722 विमान रनवे पर जेएएल उड़ान से कैसे टकराया। बता दें कि हानेडा जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है और अभी के समय कई लोग नए साल की छुट्टियों में यात्रा करते हैं।

राम मंदिर की...

मुताबिक इस बैठक में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों से लेकर तथा उसके बाद राम मंदिर में 25 जनवरी से दो महीने तक विशेष अभियान चलाये जाने संबंधी मामलों की रूपरेखा तैयार की गई। राम मंदिर जाने के इच्छुक लोगों की मदद के लिए पार्टी हरसंभव प्रयास करेगी। बैठक में मौजूद प्रदेशाध्यक्ष को निर्देश दिए गए हैं कि वे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपने-अपने राज्यों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में लोगों को जोड़ें। इसके अलावा बूथ कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वे उन सभी लोगों से संपर्क करें जो राम मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं और उनकी यात्रा में सहायता करें। बैठक में राम मंदिर जाने की इच्छा रखने वाले लोगों की सहूलियत के लिए देशभर में विशेष ट्रेनें, बसें चलाने पर भी चर्चा की गई। इसके साथ राम मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने और भोजन के प्रबंध के लिए नेताओं को जिम्मेदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर की जाएगी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के लगभग सभी बड़े नेता अयोध्या में मौजूद रहेंगे।

तमिलनाडु बन रहा...

जब भारी बारिश हुई तो उसमें कई लोगों की जान चली गई और संपत्ति का भी काफी नुकसान हुआ। प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया और यह भी कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु के लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम राज्य सरकार को हरसंभव मदद मुहैया करा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि अगले 25 वर्षों तक आजादी का अमृत काल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु भारत की समृद्धि और संस्कृति का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु प्राचीन भाषा तमिल का घर है और यह सांस्कृतिक विरासत का खजाना है। तिरुचिरापल्ली की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां हमें पल्लव, चोल, पांड्य और नायक राजवंशों के सुशासन मॉडल के अवशेष मिलते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी विदेश यात्राओं के दौरान किसी भी अवसर पर तमिल संस्कृति का उल्लेख करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं देश के विकास और विरासत में तमिल सांस्कृतिक प्रेरणा के योगदान के निरंतर विस्तार में विश्वास करता हूं। उन्होंने नई संसद में पवित्र सेनगोल की स्थापना, काशी तमिल और काशी सौराष्ट्र संगमम का उल्लेख उन प्रयासों के रूप में किया, जिनसे पूरे देश में तमिल संस्कृति के प्रति उत्साह बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में सड़क मार्ग, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, गरीबों के लिए घर और अस्पतालों जैसे क्षेत्रों में भारत के भारी निवेश के बारे में जानकारी दी और उन्होंने भौतिक बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर को रेखांकित किया। उन्होंने भारत के दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का भी उल्लेख किया, जहां यह दुनिया के लिए आशा की किरण बन गया है। दुनिया भर से भारत में आने वाले भारी निवेश का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका सीधा लाभ तमिलनाडु और उसके लोगों को मिल रहा है, क्योंकि राज्य मेक इन इंडिया के लिए एक प्रमुख ब्रांड एंबेसडर बन गया है। प्रधानमंत्री ने सरकार के दृष्टिकोण को दोहराया जहां राज्य का विकास राष्ट्र के विकास में प्रतिबिंबित होता है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के 40 से अधिक केंद्रीय मंत्रियों ने पिछले वर्ष में 400 से अधिक बार तमिलनाडु का दौरा किया है। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु पर रिकॉर्ड खर्च की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के दशक में राज्यों को 30 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे जबकि पिछले 10 साल में राज्यों को 120 लाख करोड़ रुपए दिए गए। तमिलनाडु को भी 2014 से पहले के 10 वर्षों की तुलना में इस अवधि में 2.5 गुना अधिक पैसा मिला। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए तीन गुना से अधिक खर्च किया गया और राज्य में रेलवे क्षेत्र में 2.5 गुना अधिक पैसा खर्च किया गया। उन्होंने बताया कि राज्य के लाखों परिवारों को मुफ्त राशन, चिकित्सा उपचार और पक्के घर, शौचालय और पाइप से पानी जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन भी उपस्थित थे।

तीसरी बार मोदी...

नाम था। इसी नारे के चलते भारतीय जनता पार्टी ने 2014 में अपने दम पर केंद्र में सरकार बनाई थी। दरअसल, अयोध्या में राम मंदिर में होने वाली रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भाजपा ने मंगलवार को एक मीटिंग की। इस बैठक में अहम निर्ण लिए गए। 22 जनवरी को दिवाली जैसा माहौल बनाया जाएगा और इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को निर्देश भी जारी किए गए हैं। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं से यह भी कहा गया है कि वे 22 जनवरी को सभी लोगों को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को दिखाएं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यवस्था ऐसी होनी कि सभी लोग अच्छे से दर्शन कर सकें। किसी को असुविधा ना हो। बिना भेदभाव के दर्शन करवाना है। अयोध्या के लिए हर दिन 35 ट्रेनें चलाई जाएंगी। भाजपा अयोध्या में प्रतिदिन 50000 लोगों के रुकने की व्यवस्था करेगी।

ज्ञानवापी : एससी में ...

साल 20 से 25 दिसंबर के बीच मछलियों की मौत हो गई। इस वजह से वजूखाना में सर्वे में मिला कथित शिवलिंग अपवित्र हो गया है। यह हिन्दू धर्म की आस्था के विपरीत है, ऐसे में टैंक की सफाई का आदेश दिया जाए। याचिका के मुताबिक जब इस मामले में हिंदू पक्ष की तरफ से मछलियों को वजूखाने से ट्रांसफर करने के लिए वाराणसी की सिविल कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई थी। उसी दौरान अंजुमन इंतजामिया की तरफ से मछलियों को हटाए जाने का विरोध किया गया था। यही कारण है कि आज यह मछलियां वहां मर चुकी हैं।

गुणोत्सव : राज्यव्यापी अभियान...

चरणों में किया जाएगा, जिसमें 3-6 जनवरी के पहले दौर में 12 जिले, 9-12 जनवरी के बीच 13 जिले और 5-8 फरवरी के आखिरी चरण में शेष 10 जिले शामिल होंगे। पेगू ने कहा कि यह प्रत्येक बच्चे के सीखने के अंतराल की पहचान करेगा और ग्रेड-विशिष्ट परिणामों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करेगा... यह शैक्षिक, सह-शैक्षणिक, बुनियादी ढांचे की उपलब्धता और उपयोग और सामुदायिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में स्कूलों के प्रदर्शन का भी आकलन करेगा। इस उद्देश्य के लिए पूरे असम में कुल 18,098 बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं को तैनात किया जाएगा। मुख्यमंत्री, विधायक, मुख्य सचिव, कॉलेज शिक्षक सहित अन्य लोग बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में स्कूलों का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि गुणोत्सव पहली बार 2017 में आयोजित किया गया था और तब से असम के सभी जिलों को कवर करते हुए इस अभ्यास के चार दौर आयोजित किए जा चुके हैं।

दस को गुवाहाटी पहुंचेंगे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव लिए तैयार : भवेश कलिता

गुवाहाटी (हिंस)। चालू वर्ष 2024 की पहली कार्यकारिणी की बैठक में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा उपस्थित होकर पार्टी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। यह कार्यकारिणी की बैठक राजधानी के पंजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षागृह में 10 जनवरी को आयोजित होगी। इसकी जानकारी आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने एक संवाददाता सम्मेलन में दी। आज प्रदेश अध्यक्ष कलिता की मौजूदगी में पार्टी के मासिक मुखपत्र *असमिया बीजेपी वार्ता* के जनवरी संस्करण का आज यहां पार्टी के वशिष्ठ स्थित मुख्यालय *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में आयोजित एक समारोह में अनावरण किया गया। प्रदेश भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के संयोजक और पार्टी के वरिष्ठ नेता ध्रुवज्योति प्रसाद बैश्य ने 2024 के पहले संस्करण का अनावरण किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रदीप ठाकुरिया, मुखपत्र संपादक जितेन

शर्मा, कार्यकारी संपादक सुशांत बिस्वास और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर भवेश कलिता ने उपस्थित सभी लोगों को बधाई दी और कहा कि असमिया बीजेपी वार्ता भारतीय जनता पार्टी के आदर्शों, विचारों और भावना के साथ-साथ भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारों के कल्याणकारी उपायों को लोगों तक पहुंचाने का एक विशेष माध्यम है। मुखपत्र ने वर्षों से सरकार के काम को महसूस करने और हमारे वैचारिक संघर्ष को आगे बढ़ाने में हमारी मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कलिता ने यह भी कहा कि हर कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव इसी साल होंगे। इस चुनाव को भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत के लिए काम रही है और पार्टी का हर पदाधिकारी लोकसभा चुनाव में इतिहास रचने के लिए तैयार है। कलिता ने यह भी कहा कि आगामी चुनावों के मद्देनजर प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक जिलों, मोर्चा, प्रकोष्ठों, मंडलों और बूथों ने काम किया है। इसी के क्रम में 8 जनवरी को रंगिया में पार्टी के आठ मोर्चों की संयुक्त बैठक, 9 जनवरी को प्रदेश भाजपा की चुनाव प्रबंधन बैठक और पदाधिकारियों की बैठक, 10 जनवरी को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सभागार में भाजपा असम प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक होगी।

मणिपुर पुलिस ने 238 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 238 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 227 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 97 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 140 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

बीएसएफ ने बांग्लादेशी नागरिक को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को सौंपा

शिलांग (हिंस)। बीएसएफ ने एक बांग्लादेशी नागरिक को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) को सौंप दिया है। बांग्लादेशी नागरिक अनजाने में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारत की सीमा में प्रवेश कर गया था। मेघालय में तैनात बीएसएफ ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक 10 जून को साउथ गारो हिल्स के इलाके में दाखिल हुआ था। सौंपने के बाद बीएसएफ मेघालय के आधिकारिक मीडिया हैंडल ने ट्विटर पर कहा कि एक सद्भावना संकेत के रूप में 43वीं बटालियन बीएसएफ मेघालय ने एक विकृत दिमाग वाले बांग्लादेशी नागरिक को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को सौंप दिया, जो अनजाने में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर दक्षिण गारो हिल्स क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। इससे पहले 13 मई को मेघालय की सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के माध्यम से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले अन्य दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। बीएसएफ ने कहा कि दोनों लूट के इरादे से देश

में आये थे। बीजीबी, एक अर्धसैनिक बल है, जिसे बांग्लादेश की सीमाओं की सुरक्षा करने का काम सौंपा गया है, जो भारत और म्यांमार के साथ 4,427 किलोमीटर तक फैली हुई है। पहले यह बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के रूप में जाना जाता था। बीजीबी बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी तरह, बीएसएफ भारत का सीमा-रक्षक संगठन है, जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। बीएसएफ और बीजीबी के बीच बांग्लादेशी नागरिकों का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सीमा संबंधी ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए दोनों बलों के बीच स्थापित प्रोटोकॉल और समझ को दर्शाता है।

अलीपुरद्वार मंडल में पूसीरे के महाप्रबंधक का संरक्षा निरीक्षण

अमृत भारत योजना के तहत आधुनिकीकरण किए जा रहे स्टेशनों का किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने 02 जनवरी, 2024 को अलीपुरद्वार मंडल के अधीन जलपाईगुड़ी रोड, धुपगुड़ी और न्यू कोचबिहार जंक्शन के विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन लिया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि इन स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकासित किया जा रहा है। महाप्रबंधक ने इन स्टेशनों पर हो रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ अलीपुरद्वार के मंडल रेल प्रबंधक अमरजीत गौतम, विभिन्न विभागों के प्रधान मुख्य और मंडल के अधिकारीगण शामिल थे। अमृत भारत स्टेशन योजना के अधीन जलपाईगुड़ी रोड, धुपगुड़ी और न्यू कोचबिहार जंक्शन को नया रूप दिया जाएगा और विश्वस्तरीय स्टेशनों के रूप में विकसित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की साफ-सफाई और समग्र स्थिति, विशेषकर प्वाइंट्स व क्रॉसिंग पर ट्रेन सवारी की गुणवत्ता, समपार फाटकों पर ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (टीजीटी) में सुधार और महत्वपूर्ण पुलों का अवलोकन और निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न स्टेशनों पर क्रू लॉबी, पैनल रूम, रनिंग रूम आदि का भी निरीक्षण किया। तत्पश्चात, शाम को पूसी रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने अलीपुरद्वार मंडल के मंडल अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया और उनलोगों को रेलवे बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार जोन और जलपाईगुड़ी रोड, धुपगुड़ी और न्यू कूचबिहार जंक्शन जैसे स्टेशनों पर किए जा रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों के बारे में जानकारी दी, जिसे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जाएगा। यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 06 अगस्त, 2023 को देशभर के कुल 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। पूर्वोत्तर सीमा रेल के अधीन उत्तर बंगाल के 26 स्टेशनों सहित 91 स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों के पुनर्विकास से राज्यों के रेल उपयोगकर्ताओं को अत्याधुनिक सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, पुनर्विकसित स्टेशन राज्य के प्रमुख शहरों के बीच एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी बनाएंगे। यह आर्थिक गतिविधियों की बढ़ोतरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, परिणामस्वरूप राज्य में रोजगार सृजन होगा।

निशान यात्रा के साथ तीन दिवसीय श्री बालाजी-झुंझार जी श्याम महोत्सव संपन्न

साधना मंदिर में बही भजनों की गंगा

गुवाहाटी (विभास)। श्री श्याम परिवार एवं झुंझार परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार से शुरू हुए तीन दिवसीय श्री बालाजी-झुंझार जी श्याम महोत्सव का समापन सोमवार को निशान यात्रा व भजन संध्या के साथ हुआ। श्री बालाजी-झुंझार जी श्याम महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार की सुबह आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला से भव्य निशान यात्रा निकाली गई, जो नगर का विभिन्न मार्गो से होते हुए आयोजन स्थल पहुची। निशन यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं के अलावा पुरुषों ने हिस्सा लिया। वहीं शाम को आयोजन स्थल फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में नववर्ष के पहले दिन भजनों की गंगा बही, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिती देखी गई। महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार की शाम अभिषेक शर्मा (माधव) व कोलकाता से सौरभ शर्मा ने अपने अपने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अमृत भंडारे की भी व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव का समापन बाबा की महाआरती व भक्तों के बीच प्रसाद वितरिण के साथ हुआ। तीन दिवसीय श्री बालाजी-झुंझार जी श्याम महोत्सव को सफल बनाने में श्री श्याम परिवार व झुंझार परिवार के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

रंगिया में लगी भीषण आग में चार दुकानें जलकर राख

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया के तुलसीबाड़ी में आज सुबह लगी भीषण आग में चार दुकानें जलकर राख हो गई। लोगों ने आरोप लगाया कि रेल का फाटक बंद होने के कारण मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी के पहुंचने में कुछ देरी हुई, जिस कारण आग और ज्यादा फैल गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। सुबह करीब छह बजे लगी इस आग में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार संदिग्ध हेरोइन बरामद

कछार (हिंस)। कछार जिले में एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जिले की सोनाई पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सिलचर-आइजोल रोड पर काजीदाहर पॉइंट पर एक अल्टो कार (एएस- 10ए- 1227) और यात्री आटो (एएस-11डीसी-3895) की तलाशी ली। इस दौरान निहार बेगम (29) और प्रसन्न कुमार दास (37) के कब्जे से चार नग साबुन के डिब्बे जब्त किए, जिनमें हेरोइन होने का संदेह है, जिनका वजन 46.35 ग्राम था। पुलिस ने संदिग्ध हेरोइन के साथ दोनों तस्करों को हिरासत में ले लिया। आगे की जांच जारी है।

बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज के पूर्व छात्र मिलन समारोह के लिए व्यापक तैयारी शुरू

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र में अग्रणी उच्च शिक्षा के संस्थान नगरबेड़ा बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज के पूर्व छात्र सम्मेलन खदान के आयोजन के लिए 4 फरवरी को व्यापक तैयारी की जा रही है। इस बीच, हाल ही में छात्र सम्मेलन के प्रभारी अध्यक्ष आनंद दास और सचिव अब्दुल जब्बार की देखरेख में और कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. कमल पाठक, कॉलेज की प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्यामाचरण ठाकुरिया और कुछ पूर्व छात्रों की उपस्थिति में कॉलेज में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में पूर्व छात्रों के सम्मेलन के सुचारू संचालन के लिए एक स्वागत समिति का गठन किया गया है। बैठक में 41 कार्यकारिणी सदस्यों के साथ स्वागत समिति का गठन किया गया है, जिसमें प्रोफेसर डॉ. अतवार रहमान को अध्यक्ष, प्रोफेसर बिष्णुराम तालुकदार को कार्यकारी अध्यक्ष, प्रोफेसर भूमिजा बर्मन को उपाध्यक्ष और प्रोफेसर रघुदेव दास, बिनॉय कृष्ण मेधी, बसंत कालिता, उपेन साहा और दिगंता कलिता को क्रमशः सचिव बनाया गया है। इस बीच, पूर्व छात्र सम्मेलन समिति और स्वागत समिति ने सम्मेलन की औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक तैयारी की है। अलग-अलग हिस्सों में रहना कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कमल पाठक और पूर्व छात्र सम्मेलन के प्रभारी अध्यक्ष आनंद दास ने सम्मेलन के हर कार्यक्रम में कॉलेज के सभी पूर्व छात्रों की उपस्थिति और सहायता की गर्मजोशी से सराहना की।

नव वर्ष के उपलक्ष्य में श्याम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। नव वर्ष के उपलक्ष्य में श्याम युवा मित्र मंडल के सौजन्य से एटी रोड छत्रीबाड़ी स्थित श्याम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन कर नव वर्ष का स्वागत वर्ष के पहले दिन किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर को आकर्षणीय विद्युत सज्जा से सजाकर श्याम बाबा के मुख्य मंदिर को सजाया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने श्याम बाबा की ज्योत को प्रज्ज्वलित कर 56 प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया। इस अवसर पर श्याम बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। मंदिर के बाहर भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ एलईडी के माध्यम से भजनों का कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे। स्थानीय गायिका संतोष शर्मा ने भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। कोलकाता से आए गायक साहिल शर्मा के मोर छड़ी भजन पर दर्शक झूम उठ वही उनके द्वारा गए हुए भजन मेरी झोपड़ी के भाग जाग जाएंगे की धुन पर सभी श्रद्धालुओं ने खड़े होकर झूमना शुरू कर दिया। भजनों के बीच पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा और बाबा का खजाना लुटाया गया। अंत में अमृत भंडारे का आयोजन किया गया।

चेन्नई मिशन ने नए साल का स्वागत विष्णु सहस्त्रनाम पठन से किया

गुवाहाटी (विभास)। चिन्मय मिशन गुवाहाटी ने छह माईल, रुक्मिणीगांव में अपने परिसर में विष्णु सहस्त्रनाम अर्चना करके भगवान विष्णु के आशीर्वाद के आह्वान के साथ नए साल 2024 की शुभ शुरुआत की। 60 से अधिक सदस्यो ने विश्व शांति और समृद्धि के संकल्प के साथ भगवान के एक हजार पवित्र नामों का जाप किया, जिससे अनुष्ठानिक पूजा के दौरान भी दिव्यता और शांति बनी रही। पूजा के यजमान, जयंत दास, क्षेत्र निदेशक-उत्तर पूर्व, दार्जिलिंग, भूटान और नेपाल-आईएचसीएल, उनकी पत्नी श्रीमती कमलकली दास ने पुजारी के साथ पूजा की। चिन्मय मिशन गुवाहाटी के अध्यक्ष अमित कुमार जैन ने उपस्थित सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। रेजिडेंट प्रभारी ब्रह्मचारिणी अनन्या चैतन्य ने सभी को 3 स्तरों- शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्तर पर संकल्प लेने के लिए कहा। चिन्मय युवा केंद्र के सदस्यों ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किया जिसके बाद आरती हुई। कार्यक्रम का समापन दो सदस्यों के जन्मदिन मनाकर किया गया। प्रतिभागियों ने इस अनुष्ठानिक शुरुआत की व्यवस्था करने और इसे जारी रखने के लिए चिन्मय मिशन गुवाहाटी के समिति सदस्यों को धन्यवाद दिया, जो अराजकता और संघर्ष से प्रभावित दुनिया में पवित्रता और पवित्रता लाता है।

विश्वनाथ चारिआलि के श्री श्री जगन्नाथ मंदिर में हरे कृष्ण मिशन का भजन कीर्तन कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले के प्रतापगढ़ चाय बागान में स्थित प्रसिद्ध श्री श्री बूढ़ामाधव मंदिर में सोमवार को अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर विश्वनाथ चारिआलि के श्री श्री जगन्नाथ मंदिर, हरे कृष्ण मिशन द्वारा एक भक्तिमूलक भजन कीर्तन कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मंदिर के श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के भक्तिमूलक भजन और हरिकथा की प्रस्तुति दी। इसके बाद प्राय: हजारों भक्त ने एक साथ प्रभु के भजन में सराबोर होकर नृत्य की। साथ ही इस अवसर पर महाप्रसाद वितरण किया गया। सभी ने अमृतमय प्रसाद का एक साथ रसास्वादन किया गया। इस मौके पर विश्वनाथ चारिआलि श्री श्री जगन्नाथ मंदिर, हरे कृष्ण मिशन के प्रमुख श्रद्धालु पंकज नयन गौरांग दास, रमानंद रौनियार तथा गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। साथ ही इस मौके पर स्थानीय गायक ने भी अपने भजन से सभी को मंत्रमुग्ध किया। उल्लेखनीय है कि श्री श्री जगन्नाथ मंदिर, हरे कृष्ण मिशन के द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम से अंग्रेजी नववर्ष में सभी एक साथ आकर भगवान श्री कृष्ण के अमृत वाणी व भजन सुनकर सात्विक भोजन का भोजन का सेवन करे।

सिपाझाड़ में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

दरंग (हिंस)। जिले के सिपाझार में दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य युवक घायल हो गया। मृतक की पहचान लेखारूपाड़ा के बिद्युत डेका के रूप में की गई है। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 पर उस समय हुई, जब मृतक एफजेड बाइक (एएस-13बी-9741) से घर से निकलकर जा रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अन्य वाहन ने मृतक की बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद ठोकर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया, वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानव शरीर नाम कर्म के उदेश्य से प्राप्त होता है : आचार्य प्रमुख सागर महाराज

गुवाहाटी। मनुष्य पर्याय बहुत दुर्बलता से प्राप्त होता है आचार्य भगवंत उमा स्वामी जी तत्वार्थ सूत्र ग्रंथ में कहते हैं, यह मानव शरीर नाम कर्म के उदय से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि जीवन को अच्छा बनाना है तो अच्छा कार्य करो, अच्छे लोगों के साथ रहो, अच्छे विचार रखो। मनुष्य पर्याय हमें कर्म काटने को प्राप्त हुआ है। इसका सदुपयोग करना चाहिए। हम लोगों ने कई जन्मों के पुण्य-भाव से यह कर्म प्रर्याय जीवन को पाया है। यह उक्त बातें आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने सोमवार को भगवान महावीर धर्म स्थल में एक धर्म सभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अब हमें देव प्रर्याय जीवन को पाकर अच्छे कार्य करके अपने जीवन को धन्य बनाना है तभी हमारा कल्याण होगा। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में एवं धरियावद के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठाचार्य श्री हंसमुख शास्त्री के मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर की सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से अधिकृत श्री दिगम्बर जैन पंचायत, गुवाहाटी के

तत्वावधान में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का आयोजन 26 से 31 जनवरी तक गुवाहाटी के फैंसी बजार स्थित जेल परिसर, में निर्माणाधीन आदिनाथ नगर में किया जाएगा। श्री दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी के अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल) ने समाज के सभी धर्मानुरागीयों को इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मे सहभागी बनकर अपने जीवन का कल्याण सुनिश्चित करने तथा जिनशासन की मंगल प्रभावना करते हुए पुण्य का अर्जन करने का अनुरोध किया है। यह जानकारी प्रचार-प्रसार के सह- संयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है ।

संपादकीया

वर्ष 2024 : चुनौतियां व अवसर

वर्ष 2023 के अंतिम दिन 2024 के अनुमान बड़े सुखद प्रतीत हो रहे हैं। भारत के सामने देशी विदेशी और आर्थिक चुनौतियां हैं। भारत की आने वाले वर्ष में देश के अंदर राजनीतिक माहौल बना रहेगा क्योंकि सभी पार्टियां केन्द्र की सत्ता के लिए प्रयासरत रहेंगी। एक तरफ भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानि राजग होगा जो 2014 से सत्ता में है तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन में शामिल वुछ राजनीतिक पार्टियां हैं। चुनाव मईं 2024 में होंगे इसलिए सभी की अपने तरीके से तैयारी शुरू हो गईं है। केन्द्र सरकार ने दृढ़ता से कश्मीर और पंजाब में पैसले लिए। कश्मीर की अलगाववादी जमात हुर्रियत कांप्रेंस पर सरकार ने वर्ष के अंतिम दिन प्रतिबंध लगा दिया तो पंजाब के खालिस्तान समर्थकों पर शिवंजा कस दिया। रही बात वामपंथी उग्रवाद की तो अंतिम सांस गिन रहे नक्सलियों के सर्वनाश की व्यवस्था भी सरकार ने वर्ष के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लगभग 3000 आईंटीबीपी और बीएसएफ के जवान भेजकर कर दिया है। भारत की शानदार सफलता के आसार अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दिख रहे हैं। 2023 में प्रतिवूल परिस्थितियों के कारण जब दुनिया के विकसित देशों को भी जूझना पड़ा तो भारत ने न सिर्प निर्णायक तरीके से सामना किया बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का दर्जा भी कायम रखा। भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के सारे लक्षण जैसे कि बढ़ती मांग, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, स्थिर ब्याज दर परिदृश्य और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार 2023 में थे। 2023 में दुनिया के विकसित देशों में बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद मार्च तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद यानि जीडीपी 6.1 प्रतिशत रही जबकि जून तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी और सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा से यह बिलवुल स्पष्ट हो रहा है कि इसकी नींव बहुत मजबूत हो चुकी है क्योंकि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है इसलिए यह रफ्तार दिसम्बर तिमाही में भी जारी रहने की उम्मीद है। इसलिए जब आर्थिक विश्लेषक दावा करते हैं कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा तो वे इस बात की भविष्यवाणी करते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति चीन से भी तेज होगी। आर्थिक सहयोग विकास संगठन यानि ओईंसीडी भी तो यही कहता है कि चीन की विकास दर 4.7 प्रतिशत जबकि भारत की विकास दर 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। भारत ओईंसीडी के इस अनुमान को सही नहीं मानता क्योंकि उसे लगता है कि उसकी वृद्धि दर को जानबूझ कर कम दिखाया गया है। हैरानी की बात यह है कि 2024 में विश्व अर्थव्यवस्था 2.9 प्रतिशत ही रहेगी जो 2023 में 3.00 प्रतिशत थी। ऐसे में भारतीय अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से खुद को संभाल कर आगे बढ़ने की चुनौतियों का सामना करना होगा। जहां तक रही विदेश मामलों में भारत के सामने चुनौतियां और अवसर दोनों हैं किंतु अपना मानना है की चुनौतियां कम और अवसर ज्यादा हैं। भारत को पड़ोसियों और महाशक्तियों से संबंध संतुलन बनाने में स्पष्ट नीति के कारण कभी भी भ्रम की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। भारत के संबंध पाकिस्तान और चीन से खराब हैं तो भारत इससे विचलित नहीं है बल्कि इन दोनों देशों के मुकाबले अपनी ताकत बढ़ाने में लगा है। श्रीलंका और बांग्लादेश से संबंध अच्छे हैं। भूटान और म्यांमार के साथ संबंधों की संवेदनशीलता को भारत महसूस करता है। महाशक्तियों के साथ भारत के संबंध बहुत अच्छे हैं। भारत ने जहां अपने पुराने महाशक्ति मित्रों से संबंध बनाए रखा वहीं उसे एक नए रूस के रूप में प्रांस मिल गया है। भारत ने जी-20, एससीओ और ब्रिक्स देशों में तो अपनी धाक गत वर्ष भी जमाया और आने वाले दिनों में क्वाड यानि भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।

भारत की आने वाले वर्ष में देश के अंदर राजनीतिक माहौल बना रहेगा क्योंकि सभी पार्टियां केन्द्र की सत्ता के लिए प्रयासरत रहेंगी। एक तरफ भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानि राजग होगा जो 2014 से सत्ता में है तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन में शामिल वुछ राजनीतिक पार्टियां हैं। चुनाव मईं 2024 में होंगे इसलिए सभी की अपने तरीके से तैयारी शुरू हो गईं है। केन्द्र सरकार ने दृढ़ता से कश्मीर और पंजाब में पैसले लिए। कश्मीर की अलगाववादी जमात हुर्रियत कांप्रेंस पर सरकार ने वर्ष के अंतिम दिन प्रतिबंध लगा दिया तो पंजाब के खालिस्तान समर्थकों पर शिवंजा कस दिया। रही बात वामपंथी उग्रवाद की तो अंतिम सांस गिन रहे नक्सलियों के सर्वनाश की व्यवस्था भी सरकार ने वर्ष के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लगभग 3000 आईंटीबीपी और बीएसएफ के जवान भेजकर कर दिया है। भारत की शानदार सफलता के आसार अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दिख रहे हैं। 2023 में प्रतिवूल परिस्थितियों के कारण जब दुनिया के विकसित देशों को भी जूझना पड़ा तो भारत ने न सिर्प निर्णायक तरीके से सामना किया बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का दर्जा भी कायम रखा। भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के सारे लक्षण जैसे कि बढ़ती मांग, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, स्थिर ब्याज दर परिदृश्य और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार 2023 में थे।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए

पहले पिछली गलतियों के लिए माफी मांगे, फिर न्याय यात्रा निकाले कांग्रेस

आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी? 1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम और आप ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बाहर और अपने को खोया है, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे की पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। रिफ्यूजी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारे के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने थे। शरणार्थियों को कोई विशेष दर्जा, आरक्षण या छूट सरकार ने नहीं दी। नतीजतन, शरणार्थियों की पूरी एक पीढ़ी शिक्षा, नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में पिछड़ गई। शरणार्थियों को बंटवारे से ज्यादा दर्द और तकलीफ नेहरू सरकार की बेरूखी, बेइंसाफी और बदइंतजामी ने दिया। 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की। इसके अगले दिन से ही दिल्ली और देश के दूसरे कुछ हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। इन दंगों में सिखों के घरों, दुकानों को जलाया और लूटा गया और उनको मौत के घाट उतारा गया। दिल्ली और अन्य स्थानों पर हत्यारों और लुटेरों की भीड़ का नेतृत्व ज्यादातर कांग्रेस के नेता कर रहे थे। प्रेस एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार इन दंगों में दिल्ली में ही लगभग 2700 लोग मारे गए थे और देशभर में मरने वालों का संख्या 3,500 के करीब थी। 19 नवंबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी व उनके पुत्र राजीव गांधी ने दिल्ली बोट क्लब में इकट्ठा हुए लोगों के हुजूम के सामने कहा कि, 'जब इंदिरा जी की हत्या हुई थी, तो हमारे देश में कुछ दंगे-फ़साद हुए थे। हमें मालूम है कि भारत की जनता को कितना क्रोध आया, कितना गुस्सा आया और कुछ दिन के लिए लोगों को लगा कि भारत हिल रहा है। जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।' प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शब्दों में कोई ज़क्रि नहीं था उन हज़ारों सिखों का जो अनाथ और बेघर हो गए थे बल्कि ये वक्तव्य उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। दंगों के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में इसके लिए माफ़ी मांगी और कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है। लेकिन क्या इतना कहने भर से ही सरकार का फ़र्ज़ पूरा हो गया? क्या इससे आज़ाद भारत के सबसे सबसे बुरे हत्याकांड की यादें मिट गईं? सिख दंगों के दोषी कांग्रेसी नेता गांधी परिवार के खास हैं। गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक हजारों निर्दोष सिखों के कत्लेआम के लिए माफी नहीं मांगी है। साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के पीएम थे। हादसे के वक्त यूनियन कार्बाइड कंपनी का सीईओ अमेरिकी कारोबारी वारेन एंडरसन था। हादसे के 4-5 दिन बाद यानी सात दिसंबर को एंडरसन भोपाल पहुंचे थे और उन्हें हवाई अड्डे पर ही गिरफ़्तार कर लिया गया था। लेकिन उसी दिन कुछ ही घंटों के बाद उन्हें न केवल ज़मानत मिल गई यहां तक की मध्य प्रदेश राज्य के सरकारी विमान में उन्हें दिल्ली भेजा गया। एंडरसन उसी दिन दिल्ली से अमेरिका चले गए थे। कांग्रेस की सरकार हजारों निर्दोष देशवासियों की हत्या के दोषी को उचित दण्ड और सजा देने की बजाय उसे बचाने और भगाने में मददगार बनी। देश के संत गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे थे। पीएम इंदिरा गांधी से अपनी मांग मनवाने के लिए प्रसिद्ध संत करपात्री जी महाराज के नेतृत्व में सात नवंबर 1966 को देशभर के लाखों साधु-संत अपने साथ गायों-बछड़ों को लेकर संसद के बाहर आ डटे थे। सरकार ने लोकतान्त्रिक तरीके से मांग कर रहे निहत्थे साधु-संतों की भीड़ पर गोली चलवाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां बरसवाईं। जिसमे सैंकड़ों साधु संतों और गोरक्षकों की जान गई। इसमें मरने वालों की संख्या पर विवाद है। इस घटना के अगले ही दिन टाइम्स ऑफ़ इंडिया में छपी रिपोर्ट में पुलिस की ओर से 209 राउंड फायरिंग की बात कही गयी थी। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को हर महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। लेकिन मुस्लिम कट्टरपंथियों के दबाव में आकर राजीव गांधी सरकार ने 1986 में संसद में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। इस तरह शाहबानो अदालती लड़ाई जीतने के बाद भी हार गईं। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति ने उन्हें हरा दिया। असल में मुस्लिम बेटी को अदालत से मिला न्याय कांग्रेस की सरकार ने उससे छीन लिया। प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा धारा 370 लगाने के बाद से जो कश्मीरी लोगों के साथ अन्याय हुआ और 90 के दशक में कांग्रेस सरकार की बदनीति के कारण जो कश्मीरी पंडित विस्थापित हुए। वो कहां का न्याय था? सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 1990 में 44167 कश्मीरी पंडित परिवारों ने घाटी छोड़ी थी। असल में कांग्रेस ने अपने राजनीतिक नफे के लिए धारा 370 को जिंदा रखा और अलगाववादी ताकतों को फटकारने की बजाय सहलाने और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर बल दिया। 1971 के भारत पाक युद्ध में 93000 हजार पाकिस्तान सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर किया था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 93000 पाकिस्तानी सैनिकों को तो समझौते के मुताबिक उनके देश वापस भेज दिया। लेकिन आयरन लेडी अपनी सेना के 54 सैनिकों, अधिकारियों और लड़ाकू पायलटों को पाकिस्तान से वापस नहीं ला सकीं। सैनिक परिवार सरकार से न्याय की मांग करते रहे, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। साल 1975 को इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हित के लिए इमरजेंसी लगाकर संविधान, कानून, राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों, कलाकारों, समाजसेवियों और देश की जनता के साथ जो अन्याय और अत्याचार किये उसके जख्म आज भी हरे हैं।

राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी? 1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम और आप ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बाहर और अपने को खोया है, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे की पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया।

दृष्टि कोण

कट्टरपंथी मुस्लिम शरणार्थियों से यूरोप में बढ़ी मुसीबतें

यूरोपीय यूनियन के सदस्य देश लोकतांत्रिक, मानवाधिकारों की वकालत और उदारवादी चेहरा दिखाने के कारण मुस्लिम शरणार्थियों के कारण मुसीबत में फंस गए हैं। शरण लेने वाले मुस्लिम शरणार्थियों पर कट्टरपन हावी है। इन देशों के कानून मानने के बजाए शरणार्थी अपराधों में शामिल होने के साथ ही इस्लामी शासन की पैरवी कर रहे हैं। यही वजह है कि न सिर्फ युरोपीय यूनियन बल्कि उसके कुछ देशों ने साफ तौर पर मुसलमानों से देश छोड़ कर चले जाने को कहा है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने इस्लामिक संस्कृति को लेकर कहा कि यूरोप में इसके लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लामी संस्कृति और हमारी सभ्यता के मूल्यों और अधिकारों के बीच कोई समानता नहीं है और यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि इटली में इस्लामी सांस्कृतिक केंद्रों को सऊदी अरब फंड देता है, जहां शरिया लागू है। यूरोप में हमारी सभ्यता के मूल्यों से बहुत दूर इस्लामीकरण की एक प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि वह

शरणार्थी सिस्टम में ग्लोबर रिफॉर्म पर जोर देंगे। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि शरणार्थियों की बढ़ती संख्या का खतरा यूरोप के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। मेलोनी की तरह ही नीदरलैंड का प्रधानमंत्री बनते ही इस्लाम विरोधी नेता गीर्ट विल्डर्स ने उन मुसलमानों से देश छोडने का आह्वान किया कि जो धर्मनिरपेक्ष कानूनों से अधिक कुरान को महत्व देते हैं। विल्डर्स ने तो यहां तक कह दिया कि हिन्दुओं का समर्थन करूंगा जिन पर केवल हिंदू होने के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान में हमला किया जाता है या मारने की धमकी दी जाती है या फिर मुकदमा चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि मेरे पास नीदरलैंड के सभी मुसलमानों के लिए एक संदेश है जो हमारी स्वतंत्रता, हमारे लोकतंत्र और हमारे मूल मूल्यों का सम्मान नहीं करते हैं, जो कुरान के नियमों को हमारे धर्मनिरपेक्ष कानूनों से अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। विल्डर्स ने कहा कि मुसलमानों की संख्या 7 लाख हैं और मेरा उन्हें संदेश है, बाहर निकलो। किसी इस्लामिक देश के लिए निकल जाओ। फिर, आप इस्लामी नियमों का आनंद ले सकते हैं। ये उनके नियम हैं, लेकिन हमारे नहीं हैं। शरणार्थियों की समस्या से गले तक भर चुके यूरोपीय देशों ने अब इस समस्या के समाधान के लिए नया समझौता किया है। यूरोपीय संघ और सदस्य देशों ने प्रवासन और प्रश्रय पर नए समझौते के जरिए अपनी प्रवासन नीति में सुधार करने का फैसला किया है। इसके तहत अनियमित रूप से आ रहे लोगों की त्वरित जाँच, सीमा पर डिटेंशन सेंटर बनाना और आवेदन अस्वीकृत होने पर शरणार्थियों को देश से बाहर करना आदि सुधार के रूप में शामिल है। हालाँकि अभी भी 27 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूरोपीय परिषद और यूरोपीय संसद द्वारा औपचारिक रूप से समझौते को मंजूरी देने की आवश्यकता है। जिसके बाद ही यह संभवतः वर्ष 2024 में ब्लॉक की कानूनी प्रक्रियाओं में शामिल हो पाएगा। गौरतलब है कि साल 2011 में सीरिया में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद लाखों सीरियाई और पड़ोसी मुल्कों से लोग भागकर यूरोप की शरण में आए थे। तभी यूरोपियन यूनियन ने वादा किया कि वो अपने देशों में लगभग 2 लाख रिफ्यूजियों को रखेगा। ग्रीस, इटली और फ्रांस में उस समय सबसे ज्यादा लोग भरे हुए थे। बाकी देश भी लोगों को स्वीकार करने लगे। इसके विपरीत पोलैंड की सरकार ने कहा था कि शरणार्थियों को रखना यानी अपनी ही तबाही के लिए बम फिट कर लेना है। पोलैंड का यह दृष्टिकोण फ्रांस और दूसरे देशों में सही साबित हुआ। एक मुस्लिम की युवक की मौत के बाद फ्रांस में जबरदस्त दंगे भड़क उठे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा पेरिस में चेकिंग के दौरान नाहेल को पुलिस ने गोली मार दी थी। इस घटना में नाहेल की मौत हो गई थी। पुलिसकर्मियों का इस मामले पर कहना था कि लड़के के पास गाड़ी चलाने का लाइसेंस नहीं था।

कुछ अलग

नया अध्याय

मानवता का इतिहास दर्शाता है कि तमाम आपदाओं, दुर्घटनाओं और विपत्तियों के बावजूद मनुष्य ने आशा का दामन नहीं छोड़ा, आकांक्षाओं और सपनों से उसका नाता बना रहा। इसीलिए तो कहते हैं कि उम्मीद एक जिंदा शब्द है। यह सच है कि देश और दुनिया के सामने समस्याओं और संकटों का अंबार लगा हुआ है, पर यह भी सच है कि उनके समाधान के लिए भी सतत प्रयास हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौती बड़ी है। बढ़ते तापमान के कारण धरती पर जीवन के अस्तित्व को लेकर आशंका बढ़ती जा रही है। इससे प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में भी तीव्र वृद्धि हो रही है। समाधान के क्रम में स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन और उपभोग बढ़ाने तथा उत्सर्जन में कमी लाने की कोशिशें हो रही हैं। हम सभी को इन कोशिशों के साथ जुड़ना चाहिए और अपना योगदान करना चाहिए। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के साथ-साथ हमें वित्तीय स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। इस वर्ष भी भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार का क्रम जारी रहेगा। इस बढ़ोतरी में हम सबकी अधिकाधिक सहभागिता होनी चाहिए, ताकि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा कर सकें। यह भी आवश्यक है कि हम अपने देश और अपनी सांस्कृतिक विविधता को अधिक से अधिक जानें। सुप्रसिद्ध यायावर राहुल सांकृत्यायन कहा करते थे कि हर व्यक्ति को कम से कम अपने निवास के डेढ़ सौ किलोमीटर की परिधि में यात्रा तो करनी ही चाहिए। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आह्वान किया है कि हमें देश भ्रमण करना चाहिए। भारत में तीर्थ स्थलों की बड़ी संख्या तो है ही, हर मौसम के हिसाब से देखने-घूमने लायक पर्यटन के केंद्र भी हैं। इस वर्ष हमारी योजना में यात्राओं के लिए भी जगह होनी चाहिए। सकारात्मक वातावरण में ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है। इसलिए हमें घर-परिवार और समाज से हिंसा, अपराध और भ्रष्टाचार की मौजूदगी खत्म करने की कोशिश भी करनी चाहिए। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और वंचितों के लिए सुरक्षित परिवेश बनाना हम सभी का दायित्व होना चाहिए। तकनीक, जीवन शैली और कामकाज के बदलते रूपों के कारण सामुदायिकता और सामूहिकता का जो लोप होता जा रहा है, वह हमारे सभ्यतागत मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप नहीं है। इस पर ध्यान देने को भी हमें अपने संकल्पों में शामिल करना चाहिए। परस्पर सहकार से इस वर्ष हम एक नया अध्याय लिख सकते हैं।

देश दुनीया से

हिन्दी के प्रबल समर्थक नीतीश वुमार, विश्व हिंदी परिषद का मिला समर्थन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश वुमार हिन्दी भाषा के एक बड़े पैरोकार हैं। इसका प्रमाण उन्होंने अपनी कार्यशैली के माध्यम से बारंबार दिया है। हिन्दी को लेकर उनके इस प्रबल समर्थन का साक्षात्कार हाल ही में आईंएनडीआईंए की बैठक के दौरान भी किया। आईंएनडीआईंए की बैठक में नीतीश वुमार ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है और इसका प्रचार-प्रसार करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बिहार में भी हमने हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए कईं कदम उठाए हैं। सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग अनिवार्यं किया गया है और स्वूलों में हिन्दी माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। नीतीश वुमार के इस कदम की विश्व हिदी परिषद ने भी सराहना की है। विश्व हिदी परिषद के महासचिव डॉ. विपिन वुमार ने कहा कि नीतीश वुमार हिन्दी के एक सच्चे समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश वुमार के प्रयासों से बिहार में हिन्दी का प्रचार-प्रसार हुआ है और यह अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक है। डॉ. वुमार ने कहा कि विश्व हिदी परिषद नीतीश वुमार के प्रयासों का समर्थन करती है और हम उनके साथ मिलकर हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए काम करेंगे। नीतीश वुमार के हिन्दी के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना सराहनीय है। उनकी पहल से हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार होगा और यह हमारे देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में मदद करेगा। दरअसल, बैठक के दौरान डीएमके नेता टीआर बालू ने नीतीश वुमार के अभिभाषण का अंग्रेज़ी में अनुवाद माँगा। इसे लेकर नीतीश टीआर बालू पर काफी भड़क गये और कहा कि कि हिन्दी हमारे देश की राष्ट्रभाषा एवं आमजन की भाषा है। इसलिए भारत के हर नागरिक को हिन्दी की जानकारी और समझ होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने अंग्रेजी शासन और स्वाधीनता संग्राम का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी हिन्दी की उपेक्षा कर आम लोगों पर अंग्रेज़ी थोपने का प्रयास किया जाता था, किंतु हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने इसका विरोध किया था। नीतीश ने कहा कि वह सरल हिन्दी में अपनी बात रख रहे हैं। फिर भी वुछ लोगों को समझने में परेशानी हो रही है। आपको याद होगा कि नीतीश वुमार पहले भी कईं कार्यंव्रमों में अंग्रेज़ी बोलने वाले अधिकारियों को नसीहत देते हुए, हिदी में बोलने का निर्देश दे चुके हैं। मैं नीतीश वुमार के इस हिन्दी प्रेम का कायल हूँ और उन्होंने हिन्दी को अपने कार्यशैली में, अपने अभिभाषणों में जिस प्रकार से प्राथमिकता दी है, उसकी भरपूर प्रशंसा करता हूँ। आज बिहार और उत्तर प्रदेश, देश के सबसे बड़े राज्य हैं और यह कोईं छिपाने वाली बात नहीं है कि इन राज्यों की सबसे प्रमुख भाषा हिन्दी है। यहाँ शिक्षा से लेकर वादसंवाद और राजनीति तक की भाषा हिन्दी है। यहाँ की आबादी सोचती हिन्दी है। यहाँ की आबादी अपना जीविकोपार्जन हिन्दी की मदद से करती है। हालांकि, स्वतंत्रता प्राप्ति के दशकों तक हिन्दी भाषी राज्यों में ही हिन्दी को उपेक्षा का शिकार बनाया गया। यही कारण है कि समय की धारा में हिन्दी भाषी स्वयं को वुंठित महसूस करने लगे और इसी वुंठा में उन्होंने अपनी मातृभाषा का ही त्याग करना शुरू कर दिया। लेकिन, अब जब नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और नीतीश वुमार जैसे नेताओं को मैं हिन्दी का इस प्रकार से बढ़-चढ़कर समर्थन करते देखता हूँ, तो एक अलग ही उम्मीद जगती है।वहीं, मैं दक्षिण भारतीय नेताओं से अपील करता हूँ कि वे हिन्दी को लेकर कोईं भी अनाप- शनाप बयान देने से पहले एक बार सोचें कि इससे देश की जनता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? बीते दिनों इंटरनेट पर द्रमुक के नेता दयानिधि मारन का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था, जिसमें उन्हें बोलते देखा जा सकता है कि यूपी-बिहार के हिदी भाषी लोग तमिलनाडु आते हैं और सड़वें और शौचालय साफ करते हैं। हिन्दी को लेकर दक्षिण भारतीय नेताओं की इस प्रकार की सोच और बयानबाज़ी वास्तव में अत्यंत दुःखद है। हिन्दी के विरोधियों को यह अच्छी तरह से समझना होगा कि हिन्दी की प्रतिस्पर्धा किसी भारतीय भाषा से नहीं है और न ही इसे किसी पर थोपे जाने का प्रयास है। यदि हिन्दी ने भारत में अपनी पूर्णता को हासिल कर लिया, तो वह क्षण सही मायनों में हमारे सभी स्थानीय भाषाओं के उदय का शुभारंभ होगा। हमें यह समझना होगा कि अपनी हिदी, अपनी मातृभाषा के सम्मान के बिना हमारा समाज सदैव अधूरा रहेगा। इसलिए हमें अकारण हिन्दी विरोध से बचना चाहिए।

सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग अनिवार्यं किया गया है और स्वूलों में हिन्दी माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। नीतीश वुमार के इस कदम की विश्व हिदी परिषद ने भी सराहना की है। विश्व हिदी परिषद के महासचिव डॉ. विपिन वुमार ने कहा कि नीतीश वुमार हिन्दी के एक सच्चे समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश वुमार के प्रयासों से बिहार में हिन्दी का प्रचार-प्रसार हुआ है और यह अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक है। डॉ. वुमार ने कहा कि विश्व हिदी परिषद नीतीश वुमार के प्रयासों का समर्थन करती है और हम उनके साथ मिलकर हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए काम करेंगे। नीतीश वुमार के हिन्दी के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना सराहनीय है। उनकी पहल से हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार होगा और यह हमारे देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में मदद करेगा।

आप का नजरीया

मुसीबत में पाकिस्तान

पाकिस्तान ने अपनी वंगाली के उपचार के लिए कर्ज की दवा का जो इस्तेमाल किया, वही अब उसके लिए जानलेवा बन गया है। अपने जन्मकाल से ही दूसरे देशों के अनुदान पर बजट बनाने वाले पाकिस्तान ने कभी इस बात को महसूस नहीं किया कि भू-राजनीतिक परिदृश्य बदलते ही उसकी वित्तीय व्यवस्था के प्रभावित होने के उतने ही अवसर बन जाएंगे। पाकिस्तान के प्रमुख दानदाता देश अमेरिका, यूरोप के वुछ बड़े देश, चीन और मध्यपूर्व के वुछ देश थे। समय का चव्र ऐसा घूमा कि अब चीन के अलावा कोईं भी देश पाकिस्तान के बजट की परवाह नहीं करता। सउदी अरब ने पाकिस्तान पर रहम करके उसके रिजर्व बैंक यानि आरबीपी में वुछ रुपए सुरक्षित राशि के रूप में रखा तो है किंतु इसी शर्त पर कि उसे इस्लामाबाद की सरकार खर्च नहीं कर सकती। पाकिस्तान अपने भुगतान संतुलन को बनाए रखने के लिए आईंएमएफ पर निर्भर हो गया है क्योंकि चीन ने भी पाकिस्तान को असुरक्षित कर्ज देने से मना कर दिया है। चीन मात्र परियोजनाओं के लिए पाकिस्तान को जो कर्ज पहले दे चुका है, उसी को वापस लेने का प्रयास करता रहता है। जब सभी ने ठेगा दिखा दिया तो इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष से कर्ज के लिए अनुरोध किया था। पाकिस्तान की दुर्दशा देखकर अमेरिका ने कड़ी शर्तों के साथ कर्ज की वुछ राशि तो दिलवा दी किंतु उन शर्तों को मानने से पाकिस्तान में महंगाईं चरम पर पहुंच गईं क्योंकि सेवाओं और उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैक्स बढ़ा दिए गए तो जनता में त्राहि-त्राहि मच गईं। लेकिन अब आईंएमएफ ने जो शर्तें पाकिस्तान पर लगाया है, उसे झेल पाना शायद उसके लिए संभव नहीं है। हाल ही में आईंएमएफ की टीम ने पाकिस्तान से दो टूक कहा कि यदि वह रक्षा बजट में भारी कटौती संबंधी उसकी शर्त नहीं मानेगा तो उसे अब कर्ज नहीं मिलेगा। देश के रक्षा प्रतिष्ठान इस बात से ज्यादा तिलमिलाए हैं कि आखिर आईंएमएफ की आंखे रक्षा बजट के ऊपर वैसे पहुंची। देश में चुनाव होने वाला है, किंतु सेना सियासी जमात के बीच रिश्तों में अविश्वास की परत मोटी होती जा रही है। जनता और बुद्धिजीवी मान रहे हैं कि यदि रक्षा बजट में कटौती करने से आईंएमएफ से कर्ज मिलता है तो सरकार को उसकी बात मान लेनी चाहिए क्योंकि सेना पर खर्च करके सरकार पाकिस्तान को वंगाली की गर्त में डालकर पहले ही गलती कर चुकी है। पाकिस्तान की मुश्किल यह है कि आईंएमएफ की शर्त मानें तो सेना सरकार को जीने नहीं देगी और यदि सेना की बात मानकर आईंएमएफ की शर्तें ठुकराए तो पाकिस्तान में गृह युद्ध की स्थिति पैदा हो जाएगी।

भाजपा 34 हजार गांवों में चलाएगी चलो गांव की ओर अभियान

सहरसा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहरसा और मधेपुरा की संयुक्त कार्यसमिति की राम वर्ष में प्रथम बैठक भाजपा जिला कार्यालय पटुआहा सहरसा में मंगलवार को हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह की अध्यक्षता में प्रदेश महामंत्री मिथलेश तिवारी, पूर्व मंत्री नीरज सिंह बबलू, क्षेत्रीय प्रभारी सरोज झा, मधेपुरा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन व वंदे मातरम गायन के साथ बैठक की शुरुआत की गई। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह सिद्धू और जिला मंत्री रंजीव रंजन साह ने की। बैठक में राममंदिर उद्घाटन सहित आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के बेहतरीन जीत के लिए चर्चा की गई । साथ ही भाजपा के हर छोटे बड़े नेता व कार्यकर्ता एक एक गांव में नरेंद्र मोदी के संदेश को पहुंचाएंगे जिसमें रात्रि चौपाल एवं रामधुनी भी करेगी। बैठक में प्रदेश महामंत्री मिथलेश तिवारी ने इस वर्ष को राम वर्ष मनाने का आग्रह किया। मोदी सरकार की 117 योजनाओं को पंचायत स्तर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी के माध्यम से लाभ से वंचित सभी परिवारों को लाभ दिलवाने हेतु सभी को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि आज मोदी सरकार किसानों को सम्मान निधि योजना, अपने फसलों को बेचने के लिए

सरल बाजार, युवाओं के लिए उद्यमी योजना, छोटे छोटे कामगारों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना सहित कई जनकल्याणकारी योजना संचालित की गई है। आज सरकार एक रुपया भेजती है तो पूरा एक रुपया आपके गरीब के खाता में जमा होता है। क्षेत्रीय प्रभारी सरोज झा ने पार्टी के मार्ग-दर्शन की जानकारी सभी को देते हुए संगठन की मजबूती की दिशा में काम करने को कार्यकर्ताओं को कहा। उन्होंने कहा कि सभी मंडल में बैठक 03 से 10 मार्च तक कर लेना है। जिसमें देश के 34 हजार भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक शक्तिकेंद्र में एक रात प्रवास करेगी। जिसे चलो गांव की ओर अभियान का नाम दिया गया है। उन्होंने बैठक में लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा के साथ बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। पूर्व मंत्री व छातापुर विधायक नीरज कुमार बबलू ने नए मतदाताओं को जोड़ने पर फोकस करने के लिए आग्रह किया। साथ ही बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने का भी लक्ष्य तय करने की रणनीति पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार की ओर से किए विकास कार्य, सुशासन और गरीबों के लिए चलाई जा रही योजनाएं चलाकर मतदाताओं का दिल जीता है।

बेगूसराय में पूरे परिवार की जलकर मौत के लिए बिहार सरकार भी दोषी : गिरिराज

बेगूसराय (हिंस)। बेगूसराय के बछवाड़ा थाना क्षेत्र स्थित अरवा गांव में बीते रात पति एवं गर्भवती पत्नी सहित दो बच्चों की जलकर हुई मौत से जिला में कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधि मौके पर जुटे हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने परिजनों से बात कर सांत्वना दिया है। उन्होंने कहा कि चार लाख रुपये प्रति व्यक्ति आपदा से केंद्र सरकार की ओर से दिया जाता है। मुख्यमंत्री राहत कोष से भी प्रति व्यक्ति को चार-चार लाख दिया जाए। मृतक परिवार कटाव पीड़ित है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि 60 के दशक में भूमि सरकार ने दिया, लेकिन पर्चा नहीं दिया गया। पर्चा मिला होता तो प्रधानमंत्री आवास भी मिल गया होता और यह घटना नहीं घटित होती। झोपड़ी रहने के कारण यह घटना हुई है। एक सप्ताह के अंदर जमीन का सभी को जमीन का पर्चा उपलब्ध कराया जाए।

भाजपा 17 जिलों के सभी मठ-मंदिरों में चलाएगी स्वच्छता अभियान

कानपुर (हिंस)। भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी 17 संगठनात्मक जिलों मे 14 से 22 जनवरी तक सभी मठ मंदिरों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाएगी। यह बात भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने मंगलवार को क्षेत्रीय कार्यालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक में पदाधिकारियों से कही। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 22 जनवरी श्रीराम मंदिर अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा तक किसी भी जिले का कोई मठ एवं मंदिर न शेष रह जायें, जहां पार्टी के पदाधिकारी, सांसद, विधायक, सभी जनप्रतिनिधि भाग लें। उन्होंने कहा कि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिलों के सभी बाजारों मे साज-सज्जा की जिम्मेदारी संभालेगा। बूथ सशक्तिकरण अभियान से जुड़े पदाधिकारी 5 जनवरी से 10 जनवरी के मध्य भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के 20788 बूथों पर सत्यापन का कार्य करेंगे। जिसमें बूथ समिति के सदस्य, पन्ना प्रमुख आदि सभी सदस्यों से बुलाकर संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी को

राष्ट्रीय मतदाता दिवस है, भाजपा सभी जिलों में नव मतदाता सम्मेलन आयोजित करेगी। जनवरी के अंतिम सप्ताह तक भाजपा अपने सभी जिलों में सामाजिक सम्मेलन व लाभार्थी सम्मेलन भी आयोजित करेगी। क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत सभी 52 विधानसभाओं की प्रत्येक विधानसभा से 1000 लोग चयनित होंगे। जिनको प्रशिक्षण देकर इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा। श्री पाल ने बैठक में आगामी कार्यक्रमों के लिए क्षेत्रीय पदाधिकारियों को निम्न जिम्मेदारी सौंपी है। बूथ सशक्तिकरण अभियान-पूनम द्विवेदी, पवन प्रताप सिंह, अलोक शुक्ला लोकसभा एवं विधानसभा संचालन समिति, वोटर चेतना, नव मतदाता सम्मेलन -सुनील तिवारी, राम कुमार द्विवेदी, जॉइनिंग कमेटी प्रमुख राम किशोर साहू, अनूप अवस्थी, संदीप सिंह, सामाजिक सम्मेलन एवं मोर्चा प्रकोष्ठ अभियान श्रीमती अनिता गुप्ता, जय प्रकाश कुशवाहा, उपेंद्र पासवान, लाभार्थी सम्पर्क अभियान- अनिल यादव, अंचल गुप्ता, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना- सुधीर सिंह स्वच्छता अभियान-अलोक मिश्रा, परमानंद शुक्ला, आदि क्षेत्रीय अभियान प्रमुख बनाएं गए हैं।

लोकसभा चुनाव में अपना दल (एस) कायम रखेगा जीत का रिकार्ड : अनुप्रिया

लखनऊ (हिंस)। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की एक बैठक में कहा कि लोकसभा के आगामी चुनाव में पार्टी अपनी जीत का रिकार्ड सौ फीसदी कायम रखेगी। नव वर्ष में इस दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। अपना दल (एस)२ सत्तारूढ़ भाजपा-नीत राजग का घटक दल है। अनुप्रिया पटेल ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में नव वर्ष मिलन समारोह एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक में कहा कि किसी भी पार्टी के लिए विधानसभा व लोकसभा में सदस्यों की संख्या काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आप सभी के प्रयास से 2017, 2019, 2022 में निरंतर सफलता का प्रतिशत बढ़ा है, उसी तरह 2023 के उपचुनाव में भी आपके प्रयास से पार्टी ने सौ फीसद जीत का रिकार्ड कायम रखा। उपचुनाव में दोनों सीटों पर पार्टी ने दमदारी से चुनाव लड़ा और शानदार जीत दर्ज कराई। इसमें रामपुर के स्वार विधानसभा का उपचुनाव इतिहास के पन्ने में दर्ज हो गया। उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) एक वैचारिक पार्टी है। विचारधारा की लड़ाई को वही आगे बढ़ा सकता है, जो स्वयं विचारधारा में विश्वास रखता हो। राजनीति में धैर्य की बहुत जरूरत होती है। हमारी पार्टी में तमाम ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने खून-पसीने से सींच कर संगठन को इस मुकाम तक पहुंचाया है। जो लाभ के लिए व्याकुल होते हैं वह लंबा सफर तय नहीं कर पाते। पार्टी कार्यकर्ताओं को नए वर्ष में नए उत्साह एवं नई ऊर्जा के साथ आगामी लोकसभा चुनाव को फतह करने के लिए अभी से लग जाना होगा।

देश में 10 करोड़ परिवारों को निमंत्रण और पांच लाख मंदिरों में होगा कार्यक्रम : विनायक

रांची (हिंस)। झारखंड में घर-घर जाकर अयोध्या से आया पूजित अक्षत को देकर निमंत्रण दिया जा रहा है। झारखंड प्रांत के सभी जिलों में मंगलवार को हजारों गांव और नगरीय क्षेत्र में अभियान चलाया गया। अभियान को गति देने के लिए विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री विनायक राव देशपांडे का प्रवास झारखंड प्रदेश के रांची में हुआ। उन्होंने रांची के हटिया क्षेत्र में स्वयं घूमकर प्राण प्रतिष्ठा के दिन धार्मिक-आध्यात्मिक अनुष्ठान करने और प्राण प्रतिष्ठा के बाद के आरती अपने-अपने निकटतम मंदिर के कार्यक्रम में ही करने का आग्रह किया। साथ ही अपने क्षेत्र को अयोध्या मानकर भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम करने काआग्रह किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश के 10 करोड़ परिवारों तक कार्यकर्ता निमंत्रण देंगे और पांच लाख से अधिक मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान, आरती एवं दीपोत्सव का कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में लगभग 25 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राम मंदिर को लेकर विदेश में रह रहे हिंदू समाज में भी काफी उत्साह है। अमेरिका के सात सौ मंदिर

सहित अनेक देशों में स्थित सैकड़ों मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ दीपोत्सव का कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने समस्त सनातन हिंदू समाज से आग्रह किया 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी अपने निकटतम मंदिर में परिवार के साथ तीन घंटा के लिए अनुष्ठान में अवश्य शामिल हो। घर की सभी महिलाएं अपने-अपने घरों से आरती की थाली सजा कर लाएं एवं आरती में सम्मिलित हो तथा रात्रि में भव्य दीपोत्सव का कार्यक्रम करें। उन्होंने हटिया क्षेत्र में अद्वैत स्वरूप आश्रम तुपूदाना के स्वामी अमर महाराज और राष्ट्रपति के द्वारा अमृत पुरस्कार प्राप्त महावीर नायक को निमंत्रण देते हुए अयोध्या आने का आग्रह किया। महावीर नायक ने निमंत्रण देने के लिए आए हुए पदाधिकारी का स्वागत करते हुए कहा कि मानो हमारी शबरी माता के कुटिया में भगवान राम के प्रतिरूप बनकर राम भक्तों का पधारना हुआ है, जो हमारे लिए सौभाग्य की बात है। महावीर नायक ने स्वयं अपने मोहल्ले के अनेकों घरों में घूमकर लोगों को निमंत्रण दिया। इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ. वीरेंद्र साहू, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत सह मंत्री रंगनाथ महतो, प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख मिथिलेश्वर मिश्र, प्रांत धर्माचार्य संपर्क प्रमुख जुगल किशोर, महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी, बजरंग दल विभाग संयोजक प्रिंस अजमानी, बजरंग दल मिलन केंद्र महानगर प्रमुख मुकेश गिरी सहित कई लोग उपस्थित थे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनाने का लिया गया संकल्प

नवादा (हिंस)। जिले में रजौली प्रखंड क्षेत्र के राज शिवाला स्थित बाजार एवं रजौली पूर्वी पंचायत अंतर्गत पचंवा गांव में मंगलवार को मोदी की गारंटी की गाड़ी विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन हुआ। भाजपा जिला प्रवक्ता सह मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार ने उपस्थित जनसमूह को भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने की शपथ दिलवाई। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि मोदी सरकार के उज्जवला योजना के तहत लाभुक पचंवा गांव निवासी बेबी खातुन, मनोरमा देवी, शकीला खातून, शांति देवी, अनार देवी को मुफ्त गैस चूल्हा, रेगुलेटर, पाइप, सिलेंडर के साथ मुफ्त गैस कीट वितरण किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत वभन टोली निवासी शंभू शरण सिंह, पचंवा गांव निवासी सुधा देवी को दो-दो लाख रुपए का लोन दिया गया।

हिट एंड रन कानून के खिलाफ सर्व चालक कल्याण संघ हुआ मुखर

हिसार (हिंस)। सर्व चालक कल्याण संघ ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लाए गए नए हिट एंड रन कानून को तुरंत वापिस लिए जाने की मांग की है। संघ ने मंगलवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा और इस कानून को चालकों के गले में फांसी के फंदे के समान बताया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं मनोज राठी के नेतृत्व में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए चालकों ने मंगलवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि नया कानून पूरी तरह से चालक विरोधी है। सरकार ने इस कानून के माध्यम से देशभर के 22 करोड़ चालकों के गले में फांसी का फंदा डाल दिया है। वास्तव में देखा जाए तो न तो चालक कोई दुर्घटना करके खुश है और न ही भागकर खुश है लेकिन परिस्थितिवश उसे भागने को मजबूर होना पड़ता

है। अगर वह मौके पर रहता है तो एकत्रित भीड़ उसे मौत के घाट उतार सकती है। ऐसे में सरकार को ये कानून वापिस लेना चाहिए। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनोज राठी ने कहा कि सरकार ने इस कानून के माध्यम से देशभर के करोड़ों चालकों का कारोबार छीनने का प्रयास किया है, जो निंदनीय है। चालक चाहे वह बस का हो, ट्रक का हो या अन्य किसी वाहन का, वह दुर्घटना से बचने का प्रयास करता है। चालक भी एक सामाजिक व्यक्ति है, वह घर परिवार से जुड़ा होता है, भला वह किसी की जान कैसे ले सकता है। फिर भी यदि कोई दुर्घटना हो जाती है चालक संबंधित के घर जाकर माफी भी मांगता है और उसे हकीकत बताता है कि दुर्घटना किस कारण से हुई। कई बार ऐसे मामले आते हैं, जिसमें चालक की कोई गलती भी नहीं होती। ऐसे में केंद्र सरकार को चाहिए कि वह इस कानून को तुरंत वापिस लें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी तरह से आंदोलन कर रहे चालकों के साथ हैं।

ट्रक ऑपरेटरों की हड़ताल से पंजाब में बढ़ेगा पेट्रोल व डीजल का संकट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में हिट एंड रन कानून के विरोध में सोमवार को शुरू हुई ट्रक ऑपरेटरों हड़ताल का असर मंगलवार को दिखाई देने लगा है। प्रदेश के कई कस्बों में चल रहे पेट्रोल पंपों पर जहां तेल खत्म हो गया है, वहीं शहरी क्षेत्रों में लोग लंबी-लंबी कतारें लगाकर टंकी फुल करवाने में लगे हुए हैं। पंजाब में मंगलवार को भी हड़ताल पूरा दिन चलती है तो आम लोगों को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। प्रदेश के 50 प्रतिशत पेट्रोल पंपों पर आने वाले एक या दो दिनों के लिए तेल बचेगा। छोटे पेट्रोल पंपों पर तेल खत्म होने लगा है। पंजाब में इस समय करीब 3600 पेट्रोल पंप हैं। मंगलवार को प्राइवेट ट्रक ऑपरेटरों ने तेल की ढुलाई से इनकार कर दिया। माना जा रहा है कि मंगलवार की हड़ताल के बाद बुधवार को पंजाब की सब्जी मंडियों पर भी व्यापक असर देखने को मिल सकता है। पंजाब पेट्रोल पंप एसोसिएशन के प्रवक्ता व मोहाली पेट्रोल पंप एसोसिएशन के प्रधान अश्विंदर मोंगिया ने कहा कि हड़ताल खत्म नहीं होती तो आज के बाद स्थिति गंभीर हो जाएगी। मंगलवार शाम तक करीब 50 फीसदी पेट्रोल पंप ड्राई हो जाएंगे। चालकों की हड़ताल से आज मंडियों में सब्जी नहीं आई। जिसके चलते सप्लाई नहीं हो सकी। प्रदेश के छोटे-छोटे कस्बों में आज सुबह की सब्जी मंडियां नहीं लग पाई हैं।

कोरोना से पहली मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

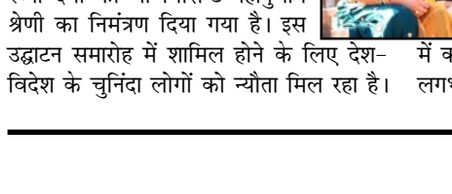

गुरुग्राम (हिंस)। कोरोना के नए वेरिएंट जेएन-1 से गुरुग्राम में एक महिला की मौत से जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. जयप्रकाश ने महिला की मौत की पुष्टि की है। स्वाभाविक है यहां निकट भविष्य में और भी केस बढ़ेंगे। इन सबको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग आइसोलेशन वार्ड भी बना चुका है। विभाग ने निजी अस्पतालों को भी पूरी तैयारी रखने के निर्देश दे दिए हैं। जानकारी के अनुसार गुरुग्राम में डीएलएफ फेज-4 में रहने वाली दो महिलाएं गत सप्ताह मुंबई से गुरुग्राम लौटी थी। इस दौरान उनकी तबियत कुछ खराब हुई तो उनका कोरोना का टेस्ट कराया गया। रिपोर्ट में दोनों ही महिलाएं कोरोना से संक्रमित पाई गई। उनको स्वास्थ्य विभाग की ओर से जरूरत हिदायतें दी गई। पहले तो उन्हें होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया। इनमें से 57 साल की एक महिला की तबियत जब बिगड़ी तो उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उनके उपचार के लिए खूब प्रयास किए, लेकिन सेहत में सुधार नहीं हो पाया। गत रविवार को महिला की अस्पताल में मौत हो गई। महिला की मौत के बाद से स्वास्थ्य विभाग और अधिक सक्रिय हो गया है। जिला नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में आइसोलेशन वार्ड बनाया जा चुका है। अब स्वास्थ्य विभाग कोविड संक्रमितों को अस्पताल में ही भर्ती करने की योजना बना रहा है, ताकि उनका बेहतर उपचार किया जा सके। कोरोना संक्रमित महिला पहले से डायबिटीज, उच्च रक्तचाप से ग्रसित थी। ऐसे में उन्हें कोरोना संक्रमण ने और अधिक बीमार बना दिया और उनकी मौत हो गई। जिला में सोमवार तक 60 रेपिड एंटीजन टेस्ट और 55 आरटी-पीसीआर टेस्ट किए गए हैं।

विधानसभाध्यक्ष की राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर देवनानी ने राष्ट्रपति को गुलदस्ते भेंट करते हुए नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। राष्ट्रपति ने विधानसभाध्यक्ष को उनके नए पदभार के लिए बधाई दी इससे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष देवनानी मंगलवार प्रात: नई दिल्ली पहुंचे। देवनानी ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की।

बाड़मेर की रूमा देवी को मिला राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्यौता

बाड़मेर/जयपुर (हिंस)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से बाड़मेर की रूमा देवी को निमंत्रण प्राप्त हुआ है। इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने के लिए बाड़मेर की रूमा देवी को भी विशिष्ट महानुभाव श्रेणी का निमंत्रण दिया गया है। इस उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए देश-विदेश के चुनिंदा लोगों को न्यौता मिल रहा है।

कई पुरस्कारों से सम्मानित रूमा देवी महिला सशक्तीकरण तथा सामाजिक कार्यों के लिए विश्व भर में जानी जाती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हालिया राजस्थान दौरे पर जैसलमेर में अपने दिए उद्बोधन में रूमा देवी की देश व विदेश में देश का सम्मान बढ़ाने के लिए विशेष सराहना की थी। ट्रस्ट के महासचिव संपत राय ने एक बयान में कहा है कि भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा में लगभग 4000 संतों और 2200 प्रमुख शख्सियतों को आमंत्रित किया गया है। इसमें सियासत, खेल, बॉलीवुड, उद्योग और अध्यात्म से जुड़ी तमाम नामचीन हस्तियों को निमंत्रण दिया गया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। साथ ही इस कार्यक्रम में देश और विदेश की दिग्गज हस्तियां शामिल हो रही है। जानकारी के अनुसार इस ऐतिहासिक समारोह में योग गुरु बाबा रामदेव, तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा, केरल की माता अमृतानंदमयी, प्रमुख दर्शनों के शंकराचार्यों सहित प्रतिष्ठित साधु संतों को निमंत्रण दिया गया है।

असम लोकसेवा आयोग
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 44PSC/CON/Exam-06/2023-2024 Dated Guwahati the 2nd January, 2024

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 2nd January, 2024, the result of the Screening Test (OMR based) for the post of ***Research Assistant in Planning Services under Transformation and Development Department*** (Advt. No. 03/2023 Dtd. 23/03/2023) conducted by the Commission on 27/08/2023. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear for Interview. The date(s) of Interview will be notified shortly.

Roll Numbers of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally):

10245	10280	20072	20133	20213	20221	20482	20791	20843	20944
20972	21132	21144	21307	21338	21518	21634	21786	21805	21834
21873	22008	22137	22156	22248	22249	30079	30122	30127	40031
40060	40153	40168	40393	40423	40641	50004	50124	50253	60044
60046	60053	60077	60084	60230	60260	60267	60270	60324	60332
60383	60462	60586	60731	60761	60801	60905	61121	61198	61280
61393	61514	61522	61620	61639	61647	61669	61774	61811	61903
62015	62061	62101	62178	62228	62252	62304	62346	62427	62523
62535	62567	62660	62728	62741	62954	62955	62986	63071	63128
63192	63449	63470	63501	63505	63524	63617	63670	63732	63752
63786	63839	63866	63878	63882	63898	64032	64054	64118	64128
64287	64418	64445	64465	64515	64564	64571	64577	64981	65058
65128	65137	65172	65217	65330	65340	65341	65349		

N.B.: The Commission will not be responsible for any typing/printing mistakes.

-- *Janasanyog /D/15715/ 23*

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

सरकार ने महिला सरकारी कर्मचारियों को दी ये सुविधा, पेंशन के लिए पति की जगह बच्चे को कर सकेंगी नामित

नई दिल्ली ।

महिला सरकारी कर्मचारी अब अपने एक बच्चे या बच्चों को पारिवारिक पेंशन के लिए नामित कर सकती हैं। केंद्र सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार की ओर से बताया गया है कि वैवाहिक विवाद के मामलों में महिला कर्मचारियों को अब अपने एक बच्चे या बच्चों को पारिवारिक पेंशन के लिए नामित करने की सुविधा दी गई है। केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 का नियम 50 सरकारी कर्मचारी या सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद पारिवारिक पेंशन देने की अनुमति देता है।

पहले था ये नियम – यदि किसी मृत सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी के परिवार में पति या पत्नी हैं, तो पारिवारिक पेंशन पहले पति या पत्नी को दी जाती है। नियमों के अनुसार, परिवार के अन्य सदस्य अपनी बारी पर पारिवारिक पेंशन के लिए तभी पात्र हो पाते हैं, जब मृतक सरकारी सेवक/पेंशनभोगी का जीवनसाथी पारिवारिक पेंशन के लिए अयोग्य हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है।

डीओपीपीडब्ल्यू के सचिव ने कही यह बात – पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने अब नियमों में संशोधन किया है और एक महिला कर्मचारी को पारिवारिक पेंशन के लिए अपने पति की तुलना में अपने बच्चे/बच्चों को नामित करने की अनुमति दी है।डीओपीपीडब्ल्यू के सचिव वी श्रीनिवास ने कहा, संशोधन उन सभी मामलों में जहां महिला सरकारी कर्मचारी ने तलाक की याचिका दायर की है या घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम या भारतीय दंड संहिता के तहत मामले दर्ज किए हैं, एक पात्र बच्चे को महिला सरकारी कर्मचारी की पारिवारिक पेंशन के वितरण की अनुमति देता है।

महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाने के लिए लिया गया फैसला – उन्होंने कहा कि महिला व बाल विकास मंत्रालय के परामर्श से डीओपीपीडब्ल्यू ने प्राप्त अभ्यावेदनों को ध्यान में रखते हुए संशोधन तैयार किया था। राजस्थान कैडर के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी श्रीनिवास ने कहा, संशोधन की प्रकृति प्रगतिशील है और यह पारिवारिक पेंशन मामलों में महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाता है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 1000 रुपये प्रति टन बढ़ाया, डीजल और एटीएफ किए गए करमुक्त

नई दिल्ली । भारत ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 1,300 रुपये से बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति टन कर दिया है। हालांकि, नई दिल्ली ने डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन पर कर हटाने का फैसला किया है। पेट्रोल पर भी कोई अप्रत्याशित कर नहीं लगेगा। डीजल, एटीएफ पर भी अप्रत्याशित कर हटा दिया गया है, जबकि पहले इस पर 50 पैसे प्रति लीटर और एक रुपये प्रति लीटर का अप्रत्याशित कर लग रहा था था। नई दरें 2 जनवरी, 2024 से प्रभावी होंगी। 18 दिसंबर को घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाए जाने वाले कर को 5,000 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,300 रुपये प्रति टन कर दिया गया था। इसके अलावा, डीजल के निर्यात पर एसएईडी को 1 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 50 पैसे प्रति लीटर कर दिया गया था। भारत ने पहली बार 1 जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया था। उस समय पेट्रोल और एटीएफ पर छह रुपये प्रति लीटर (12 डॉलर प्रति बैरल) और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर (26 डॉलर प्रति बैरल) का निर्यात शुल्क लगाया गया था। दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है। वैश्विक बेंचमार्क की दरें 75 डॉलर प्रति बैरल से अधिक होने पर घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाया जाता है। डीजल, एटीएफ और पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क लगता है यदि उत्पाद पर मार्जिन 20 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर अप्रत्याशित लाभ कर या विंडफॉल टैक्स में पाक्षिक संशोधन होता है। इससे पहले 1 दिसंबर को सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पदार्थों पर अप्रत्याशित लाभ कर को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा, 16 नवंबर की समीक्षा के दौरान, सरकार ने क्रूड ऑयल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 3,500 रुपये घटाकर 9,800 रुपये प्रति टन से 6,300 रुपये प्रति टन किया था। यह फैसला वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट के कारण लिया गया है। भारत ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स शुरू किया था। यह कर सरकार द्वारा उन उद्योगों पर लगाया जाता है जो अप्रत्याशित रूप से लाभ अर्जित करते हैं। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर तब लगाया जाता है जब वैश्विक बेंचमार्क की दरें 75 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाती हैं। डीजल, एटीएफ और पेट्रोल के निर्यात के लिए, शुल्क तब लागू होता है जब उत्पाद में मार्जिन या मुनाफा 20 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाते हैं। यह मार्जिन कच्चे तेल (कच्चे माल) की लागत और तैयार पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य के बीच का अंतर है।

ई-कॉमर्स कंपनियों को नए साल की पूर्व संध्या पर मिले बंपर ऑर्डर, स्विगी की हर मिनट 1244 डिलीवरी

नई दिल्ली । नए साल की पूर्व संध्या 31 दिसंबर पर ई-कॉमर्स कंपनियों को जमकर ऑर्डर मिला है। जोमैटो, ब्लिंकिट, स्विगी और फूड इंस्टामार्ट जैसी कंपनियां इन ऑर्डर को पूरा करने में व्यस्त रहीं। स्विगी को हर मिनट 1,244 ऑर्डर बिरयानी के मिले हैं। स्विगी को 31 दिसंबर को बिरयानी के 4.8 लाख ऑर्डर मिले हैं। यानी हर मिनट 1,244 ऑर्डर को उसने पूरा किया है। इसमें से हर चौथी बिरयानी हैदराबाद से ऑर्डर की गई है। पिछले साल क्रिकेट विश्वकप की तुलना में हर मिनट कंपनी ने 1.6 गुना ज्यादा ऑर्डर को पूरा किया है। 10 लाख से ज्यादा लोगों ने ऑर्डर दिया। जोमैटो के सीईओ दिपिंदर गोयल ने पोस्ट किया कि हमने करीब सभी ऑर्डर को पूरा किया है। दिलचस्प यह है कि कोलकाता में एक ही व्यक्ति ने एक ही बार में 125 आइटम ऑर्डर किए। सारे 125 आइटम रूमाली रोटी के रहे हैं। जोमैटो को सबसे ज्यादा ऑर्डर महाराष्ट्र से मिले हैं। वहीं, स्विगी के इंस्टामार्ट पर नए साल की पूर्व संध्या पर करीब 2 लाख किलो प्याज और 1.8 लाख किलो आलू बिका। जोमैटो पर रात 8.06 बजे तक करीब 8,422 ऑर्डर मिले। यानी हर सेकेंड 140 ऑर्डर। लोगों ने नए साल की पूर्व संध्या पर जोमैटो से जो ऑर्डर किए, उन पर डिलीवरी पार्टनर्स को करीब 97 लाख रुपये का टिप मिला। 2023 की पूर्व संध्या पर जोमैटो ने इतने ऑर्डर डिलीवर किए, जितने कंपनी ने 2015, 2016, 2017, 2018, 2019 और 2020 में कुल मिलाकर किए हैं। कंपनी को 1.47 लाख चिप्स पैकेट के ऑर्डर मिले। 68,231 सोडा की बोतलें ऑर्डर हुईं।

रूस से भारत आ रहे तेल कार्गो ने भुगतान से जुड़े मुद्दों के बीच रास्ता बदला, चीन हुआ सक्रिय

नई दिल्ली ।

रूस से कच्चा तेल लाने वाले कई जहाज जो भारत की ओर बढ़ रहे थे, अब रास्ता बदलकर पूर्व की ओर बढ़ रहे हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रूस और भारत के बीच तेल भुगतान से जुड़ी चिंताओं के बीच बीते कुछ महीनों में भारत आने वाले कच्चे तेल की मात्रा में बड़ी गिरावट आई है।

रिपोर्ट में दावा- रूस से आ रहे छह जहाजों ने अपना रास्ता बदला – पोत-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, रूस के सुदूर पूर्व से सोकोल तेल ले जाने वाले पांच जहाज – एनएस कमांडर, सखालिन द्वीप, क्रिमस्क, नेलिस और लिटेनी प्रॉस्पेक्ट- 7 से 10 समुद्री मील की रफ्तार से मलक्का जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे हैं। एनएस सेंचुरी के नाम से मशहूर एक छठा सोकोल जहाज अब भी श्रीलंका के करीब है।

कार्गो के रास्ता बदलने के बाद चीन हुआ सक्रिय – डेटा इंटेलिजेंस प्रोवाइडर केप्लर के लीड क्रूड एनालिस्ट विक्टर कटोना के अनुसार ऐसा लगता है कि चीन ने सोकोल कार्गो में अपनी दिलचस्पी दिखाई है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि ये कार्गो चीन की ओर जा सकते हैं। यूक्रेन के साथ युद्ध के बीच रूस के लिए एक महत्वपूर्ण आउटलेट भारत का रूस से तेल आयात दिसंबर में जनवरी 2023 के बाद से सबसे कम हो गया। स्थानीय रिफाइनरों से जुड़े भुगतान के कारण इस दौरान एक भी सोकोल कार्गो भारत नहीं पहुंचा।

अमेरिका के रूसी तेल को बैन करने के बाद बढ़ा था भारत का आयात – अमेरिका और उसके सहयोगियों ने रूसी कच्चे तेल के निर्यात पर 60 डॉलर प्रति बैरल की सीमा का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा रखे हैं, जो 2022 के अंत में लागू हुए थे। पिछले महीने, यूएस ट्रेजरी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा इन प्रतिबंधों को लागू करने में तेजी लाई जाएगी।

अधिकांश जहाजों का स्वामित्व रूसी सरकार समर्थित शिपिंग कंपनी के पास – एनएस सेंचुरी जहाज जो लगभग 7,00,000 बैरल की ढुलाई करती है- को पिछले साल अमेरिकी ट्रेजरी की प्रतिबंधित किया गया था। अन्य जहाजों में से चार समान मात्रा में तेल की ढुलाई करते हैं, जबकि पांचवां जहाज नेलिस दोगुने मात्रा में तेल की ढुलाई करता है। इनमें से

अधिकांश जहाजों का स्वामित्व रूस की राज्य समर्थित शिपिंग कंपनी, सोवकॉमफ्लोट पीजेएससी के पास है।

क्या है पूरा मामला – डेटा इंटेलिजेंस कंपनी केपलर के अनुसार, अपने सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात दिसंबर में जनवरी 2023 के बाद से सबसे कम हो गया। इस दौरान कड़े प्रतिबंधों और भुगतान मुद्दों के कारण सोकोल ग्रेड तेल ले जाने वाले छह टैंकर डिलीवरी नहीं कर सके।

नवंबर और दिसंबर महीने में रूस से तेल आयात में आई कमी – केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, मई में 2.15 मिलियन बैरल प्रति दिन के सर्वकालिक रिकॉर्ड तक बढ़ने के बाद, रूस से तेल आयात में उतार-चढ़ाव देखा गया। नवंबर और दिसंबर के रूस से तेल आयात में तेज गिरावट आई और पिछले महीने यह 1.48 मिलियन बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया। भारतीय रिफाइनरियों, जिन्होंने 2023 में सोकोल के एक दिन में औसतन 1,40,000 बैरल खरीदे थे, उन्हें दिसंबर महीने में ऐसा कोई कार्गो प्राप्त नहीं हो सका।

छह रूसी टैंकरों में से तीन ने चीन की ओर बढ़ने के दिए संकेत – केप्लर के प्रमुख कच्चे तेल विश्लेषक विक्टर कटोना ने एक ईमेल में कहा कि रूस के सुदूर पूर्व से कच्चा तेल निकालने वाली सखालिन-1 एलएलसी संयुक्त अरब अमीरात में एक बैंक खाता नहीं खोल पाई जिससे सहमति के अनुसार दिरहम में भुगतान किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत के तट के पास पहुंच चुके छह टैंकरों में से दो ने संकेत दिया कि वे चीन की ओर बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाधाओं के बावजूद, रूस और भारत के बीच सोकोल ग्रेड तेल व्यापार जारी रहने की संभावना है। सोकोल कार्गो के तीन अतिरिक्त शिप-टू-शिप ट्रांसफर ऑपरेशन और तीन नए कार्गो – एनएस अंटार्कटिक, जगुआर, वोस्टोचनी प्रॉस्पेक्ट बीते भारत पहुंचने के संकेत दे रहे थे।

क्या है रूस से भारत के तेल आयात की स्थिति – वर्ष 2023 में रूस से भारत का तेल आयात सालाना दोगुना से अधिक बढ़कर 17,90,000 (1.79 मिलियन) बैरल प्रति दिन हो गया। जबकि दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता इराक से भारत का आयात 11 प्रतिशत घटकर 908,000 बैरल प्रति दिन हो गया।

वोडाफोन आइडिया ने मस्क के स्टारलिंक से साझेदारी की खबरों को नकारा, कंपनी के शेयर पांच फीसदी फिसले

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया था कि कंपनी एलन मस्क की स्टारलिंक के साथ साझेदारी पर बातचीत कर रही है। बताया था कि मस्क 10 जनवरी को होने वाले वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के दौरान अरबपति व्यवसायी मस्क के स्टारलिंक के साथ गठजोड़ पर बातचीत कर कर सकते हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वोडाफोन आइडिया स्टारलिंक के साथ साझेदारी पर दांव लगा सकती है क्योंकि स्टारलिंक भारतीय बाजार में प्रवेश करना चाहती है। इसके बाद बंबई शेयर बाजार (बीएसई) ने कंपनी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा था।

इसके बाद वोडाफोन आइडिया ने अपने बयान में कहा इस संबंध में, हम बताना चाहते हैं कि कंपनी नामित पक्ष के साथ ऐसी कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। वोडाफोन आइडिया ने एक बयान में कहा, हमें इस खबर के आधार के बारे में जानकारी नहीं है। कंपनी की ओर से इस मामले में स्पष्टीकरण जारी करने के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयरों में गिरावट आई और मंगलवार को कंपनी के शेयर 0.95 रुपये यानी 5.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16.05 रुपये के भाव पर बंद हुए।

भारतीय मीडिया में जुलाई 2023 में खबर आई थी किस्टारलिंक ने अर्थ स्टेशन स्थापित करने के लिए मंजूरी हासिल करने के लिए इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) में आवेदन किया था। स्टारलिंक को 2022 में देश में उस समय उपभोक्ताओं को प्री-बुकिंग का पैसा लौटाने के लिए मजबूर होना पड़ा था जब डीओटी ने उसे अपनी सेवाओं के लिए कोई भी प्री-ऑर्डर लेने से पहले नियामक अनुमोदन लेने को कहा था।

इसके बाद कंपनी ने प्री-ऑर्डर के लिए जारी अपना प्रचार वापस ले लिया। उसके बाद आवश्यक नियामकीय अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवेदन किया गया। पिछले हफ्ते आई खबरो में कहा गया था कि मस्क की जनवरी 2024 में गुजरात यात्रा के दौरान कंपनी कंपनी भारत में कारखाना लगाने की घोषणा सार्वजनिक कर सकती है।

तमिलनाडु में स्टरलाइट कॉपर इकाई बंद करने का मामला, वेदांता की याचिका पर सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय मंगलवार को तमिलनाडु के तूत्तुक्कुडि में वेदांता समूह की स्टरलाइट कॉपर इकाई को बंद करने से संबंधित याचिका पर सुनवाई पर विचार करने के लिए सहमत हो गया। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वेदांता समूह की कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान की दलीलों पर ध्यान दिया जिसमें कहा गया था कि मामले में सुनवाई की जरूरत है।

वरिष्ठ वकील ने कहा कि मामले में सुनवाई 22 जनवरी को सूचीबद्ध की गई है। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि उसी दिन मामले की सुनवाई की जाए। सीजेआई ने कहा कि दिन के दौरान यह सुनिश्चित करने के बाद कि क्या कोई संवैधानिक पीठ का मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, पार्टियों के वकील को इस बारे में जानकारी दे दी जाएगी।

इससे पहले, शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसने रजिस्ट्रार को वेदांता समूह की याचिका पर सुनवाई के लिए दो विशेष तिथियां आवंटित करने का निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने मई में तमिलनाडु सरकार से शीर्ष

अदालत के 10 अप्रैल के उस निर्देश के अनुपालन के तहत एक जून तक उचित फैसला करने को कहा, जिसमें उसने वेदांता समूह को स्थानीय स्तर की निगरानी समिति की देखरेख में तूत्तुक्कुडि में अपनी स्टरलाइट कॉपर इकाई के रखरखाव की अनुमति दी थी। शीर्ष अदालत ने 10 अप्रैल के अपने आदेश में संयंत्र में बचे हुए जिप्सम को बाहर निकालने और कंपनी के अनुरोध पर आवश्यक श्रमशक्ति उपलब्ध कराने की भी अनुमति दी थी।

नए साल 2024 में भी बनी रहेगी पीली धातु की चमक, नए साल में 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है सोना

नई दिल्ली ।

जानकारों का कहना है कि पीली धातु की चमक नए साल 2024 में भी बनी रहेगी। नए साल में सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की स्थिरता, भूराजनीतिक अनिश्चितता और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के कारण नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा। फिलहाल जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स में सोना 63,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,058 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास है। दिसंबर की शुरुआत में वैश्विक तनाव की वजह से पश्चिम एशिया में सोने के दाम एक बार फिर चढ़ गए। उभरते बाजार के कारोबारियों का अनुमान है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का चक्र कमोबेश समाप्त हो चुका है। हालांकि पिछले साल सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहा। घरेलू बाजार में चार मई को पीली धातु का भाव 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में यह 2,083 डॉलर प्रति औंस की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बाद में 16 नवंबर को सोना 61,914 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बरकरार है। यही वजह है कि इस साल चार दिसंबर को सोने का भाव 64,063 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वैश्विक बाजार में यह 2,140 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हमें उम्मीद है कि 2024 में अंततः यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,400 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाएगा। वहीं घरेलू बाजार में सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनावी साल में रुपया कमजोर हो सकता है। इससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम बढ़ेंगे। वहीं खुदरा आभूषण खरीदारी को भारत और चीन में उच्च घरेलू कीमतों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंकों की मांग पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक हो सकती है। सोने का दाम भले ही कुछ समय तक ऊंचा बना रहे, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल, धीमी वैश्विक वृद्धि और आर्थिक अनिश्चितता की वजह से पीली धातु का आकर्षण बना रहेगा। ज्वेलरी कारोबारियों का कहना है कि महत्वपूर्ण बाजारों में मांग घटने की वजह से निर्यातकों के लिए पिछला साल काफी कठिन रहा। हालांकि अब स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। हमें उम्मीद है कि 2024 में चीजें सुधरेंगी।

पड़ोसी देश को जनवरी में आईएमएफ से मिल सकती है 70 करोड़ डॉलर की दूसरी किस्त, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड की 11 जनवरी को होने वाली बैठक में राहत पैकेज की अगली किस्त के रूप में 70 करोड़ डॉलर मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार वाशिंगटन स्थित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का बोर्ड मौजूदा तीन अरब डॉलर की स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (एसबीए) के तहत पाकिस्तान के लिए 70 करोड़ डॉलर की अगली किस्त के वितरण के लिए विचार-विमर्श करेगा और संभावित रूप से अंतिम मंजूरी देगा।

आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड के कैलेंडर के अनुसार, आगामी बैठकें 8, 10 और 11 जनवरी को निर्धारित हैं, जिसमें पाकिस्तान के मामले पर अंतिम दिन चर्चा होनी है। आईएमएफ का मौजूदा कार्यक्रम तीन अरब डॉलर का है और इसके अप्रैल के दूसरे सप्ताह में समाप्त होने की उम्मीद है जिसमें करीब 1.8 अरब डॉलर का भुगतान नहीं किया गया है। 1.2 अरब डॉलर की शुरुआती किस्त जुलाई में जारी की गई थी।

नवंबर 2023 में, पाकिस्तान के एसबीए के तहत पहली समीक्षा के संबंध में आईएमएफ कर्मचारियों और पाकिस्तानी अधिकारियों के

बीच एक स्टाफ-स्तरीय समझौता हुआ था। यह समझौता आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन पर निर्भर है। दिसंबर में बोर्ड की मंजूरी की उम्मीदों के बावजूद, ऐसा लगता है कि प्रक्रिया 11 जनवरी के लिए निर्धारित की गई है। यह घटनाक्रम पाकिस्तान के आर्थिक परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अगली किस्त का वितरण पाकिस्ताान बहुत जरूरी वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है। आगामी बैठक के परिणाम पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच चल रहे आर्थिक सहयोग को बढ़ाएंगे।

आईएमएफ ने एक अन्य बयान में कहा, आने वाले वर्ष में व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने की नीतियों पर आईएमएफ कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच चर्चा जारी है, और वित्त वर्ष 2023 के बजट में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए आर्थिक अनुमानों और आंकड़ों को भी अपडेट किया, जिसमें 2024 में देश के लिए एक चुनौतीपूर्ण दृष्टिकोण दर्शाया गया है। आईएमएफ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष के लिए अनुमानित वास्तविक जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है, जो संभावित आर्थिक बाधाओं का संकेत देता है। इसके साथ ही, 2024 में महंगाई में बढ़ोतरी की भी आशंका है।

अगर यह स्थिति बनती है तो मुल्य वृद्धि देश की आर्थिक स्थिरता के लिए अतिरिक्त चुनौतियां पेश करेगी। 22 दिसंबर, 2023 को समाप्त सप्ताह में स्टेट बैंक के भंडार में 853 मिलियन अमरीकी डालर की आश्चर्यजनक वृद्धि के बावजूद, पाकिस्तान आईएमएफ की दूसरी किस्त हासिल करने के लिए उत्सुक है, जो दर्शाता है कि इस्लामाबाद ने आर्थिक सुधार के लिए आईएमएफ की मांगों को पूरा किया है।

डिब्बा बंद उत्पादों पर विनिर्माण तारीख और प्रति इकाई बिक्री मूल्य देना अनिवार्य, नए नियम लागू

नई दिल्ली । पैकेज्ड वस्तुओं पर उसके बनने की तारीख व पैकेट में प्रति इकाई बिक्री मूल्य छापना अनिवार्य हो गया है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, नियम लागू हो गया है। नएनियम के तहत पैकेट पर अब प्रति किलोग्राम की दर से कीमत छापनी होगी।साथ ही, अधिकतम कीमत (एमआरपी) भी छापनी होगी। कोई पैकेट एक किलो से कम है तो उस पर एमआरपी के साथ प्रति ग्राम की कीमत छापनी होगी। कंपनियों को बनाने की तारीख या आयात की तारीख या पैकेजिंग की तारीख को छापने का विकल्प दिया गया था। अब उनके लिए जरूरी कर दिया गया है कि वे केवल बनाने की तारीख पैकेट पर छापें। साथ ही, बिक्री मूल्य भी छापें। पैकेज्ड सामग्री अलग-अलग वजन में होती हैं, इसलिए ग्राहकों की जानकारी के लिए उसकी कीमत छापना जरूरी है। केंद्र सरकार ने बफर स्टॉक बनाए रखने के लिए खरीफ सीजन के 25,000 टन प्याज की खरीद की है। रोहित कुमार सिंह ने कहा, सरकार इसलिए प्याज खरीद रही है ताकि कीमतों को रोका जा सके व बाजार में प्याज की आपूर्ति की जा सके। 2023-24 में सात लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य है। इसमें पिछले साल रबी सीजन से पांच लाख टन और खरीफ से दो लाख टन खरीदी कर रही है।

लियोन के तीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में सचिन, विराट भी शामिल

सिडनी ।
ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है। लियोन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियें की सूची में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के अलावा दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं। लियोन अभी विश्व के शीर्ष स्पिनरों में शामिल हैं। उनके नाम टेस्ट प्रारुप में 500 से अधिक विकेट हैं। लियोन ने पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट मैच से पहले कहा कि उन्होंने अब तक कई बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है पर सर्वश्रेष्ठ की बात की जाये तो ये तीन ही हैं। लियोन ने विराट को टेस्ट में 7 बार आउट किया है। उन्होंने साल 2011 और साल 2013 के के दौरान सचिन को 4 बार आउट किया। उन्होंने 27 टेस्ट मैचों में भारत के खिलाफ 121 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 50 रन देकर आठ विकेट भी बेंगलुरु में भारत के खिलाफ किया था। लियोन ने डिविलियर्स को भी दो बार आउट किया है। बता दें कि लियोन ने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 500 टेस्ट विकेट लिए थे। वह 500 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे स्पिनर हैं।

डोनाल्ड ने रबादा की जमकर तरीफ की

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज गेंदबाज एलेन डोनाल्ड ने कगिसो रबादा की जमकर प्रशंसा की है। डोनाल्ड ने कहा कि विकेट लेने की भूख और गेंद को फेंकने की जबरदस्त तकनीक के कारण ही वह एक महान तेज गेंदबाज बने हैं। डोनाल्ड के अनुसार गेंदबाजी के दौरान रबादा का कूल्हा भाला फेंक के खिलाड़ी की तरह घूमता है जिससे उन्हें अतिरिक्त गति मिलती है। डोनाल्ड ने कहा कि रबादा की गेंदबाजी शैली पूराने जमाने के महान गेंदबाजों की तरह है। इसी कारण 61 मैच खेलने वाले रबादा 300 टेस्ट विकेट से केवल 13 विकेट ही दूर हैं। उन्होंने कहा, 'कौशल एक चीज है पर उसमें गेंद को बल्लेबाज से दूर ले जाने की शानदार क्षमता है। उसने भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में बेहतरीन गेंदबाजी की थी। सेंचुरियन में सीरीज के शुरुआती मैच में रबादा ने सात विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया था। डोनाल्ड ने कहा, 'उसे गेंदबाजी करते हुए देखना हमेशा की तरह शानदार था। मुझे लगता है कि सफलता के लिए उसकी प्यास से उसके प्रदर्शन में निरंतरता बनी है।

न्यूज ब्रीफ

बैगी ग्रीन कैप लौटने वाले को बैकपैक दूंगा : वॉर्नर

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अपनी बैगी ग्रीन कैप के चोरी होने से परेशान है।

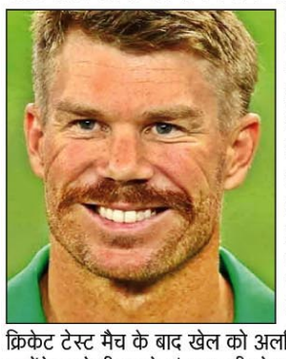

वार्नर ने सोशल मीडिया पर कहा है कि उनकी कैप जो भी लौटाएगा उसे वह बैकपैक देंगे। वॉर्नर सिडनी में बुधवार से पाकिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। उन्होंने पहले ही अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। वार्नर ने कहा था कि पाक के साथ सीरीज उनकी अंतिम टेस्ट सीरीज होगी। वॉर्नर ने कहा का कि तीसरे टेस्ट से पहले बैगी कैप गुमने से वह हैरान है। उन्होंने भावुकर अपील करते हुए कहा कि जिस किसी के पास भी उनकी ये कैप हो वो कृपा कर उसे लौटा दे। उन्होंने कहा है कि मेलबर्न से सिडनी आते समय यह कैप चोरी हो गयी थी। वॉर्नर के अनुसार उन्होंने टीम होटल और एयरलाइंस के सीसीटीवी कैमरा की भी जांच करायी पर कैप का पता नहीं चला। जांच लिया लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ. मालूम हो कि टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को ये हरी कैप दी जाती है। इसके आगे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का एक लोगो भी बना रहता है। वहीं कहा जा रहा है कि वॉर्नर का बैग बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद मेलबर्न से सिडनी पहुंचा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि एक छोटे बैकपैक को एक बड़े ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बैग के अंदर रखा गया था। वॉर्नर ने कहा कि जो कोई भी उन्हें बैगी ग्रीन कैप लौटाएगा उसे वह एक बैकपैक देंगे। सिडनी टेस्ट से पहले वॉर्नर ने एकदिवसीय से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी।

किशोर जेना और डीपी मनु एआईयू के आरटीपी में शामिल, नीरज सहित ये खिलाड़ी पहले से हैं सदस्य

नई दिल्ली । एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना और डीपी मनु को भी ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के साथ वैश्विक ट्रैक एवं फील्ड की डोपिंग रोधी निगरानी संस्था एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल कर दिया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा पिछले कुछ समय से आरटीपी में शामिल हैं लेकिन जेना और मनु को पहली बार इसमें शामिल किया गया है जिससे भाला फेंक में विश्व स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों के दबदबे का पता चलता है। जेना हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व चैंपियनशिप 2023 में पांचवें जबकि मनु छठे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। भारत के तीन खिलाड़ियों का शीर्ष छह में शामिल होना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के अब सात खिलाड़ी एआईयू के आरटीपी में शामिल हो गए हैं। 3000 मीटर स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, महिला भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी और लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर और जेसविन एल्ड्रिन इस सूची में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचा पोलैंड, स्वियातेक की मदद से स्पेन को 2-1 से हराया

सिडनी । विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने दबाव में अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए पोलैंड को यहां स्पेन पर 2-1 से जीत दिलाकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह दिलाई। एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने ह्यूबर्ट हर्काज को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। इसके बाद स्वियातेक ने महिला एकल में सारा सोरिबेस टोर्मो को 6-2, 6-1 से पराजित करके मुकाबला बराबरी पर ला दिया। स्वियातेक और हर्काज इसके बाद मिश्रित युगल में 6-0, 6-0 से आसान जीत दर्ज करके पोलैंड की अंतिम आठ में जगह सुरक्षित की। इस बीच कैस्पर रूड ने क्रोएशिया के खिलाफ एकल और मिश्रित युगल में जीत दर्ज करके नॉर्वे की क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। डोना वेकिच ने मैलेन हेल्गो को 7-5, 3-6, 6-3 से हराकर क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी करने उतरेगी भारतीय टीम

केपटाउन ।
रोहित शर्मा की कप्तानी में नये साल की शुरुआत में भारतीय टीम बुधवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी। टीम इंडिया पहले टेस्ट में हार के कारण पहले ही सीरीज में 1-0 से पीछे हैं। अब उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को तीन दिन के अंदर ही एक पारी और 32 रन से हरा दिया था। भारतीय टीम पिछले 31 साल से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज का प्रयास कर रही है पर हर बार उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अब दूसरे टेस्ट मैच को जीतना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहने वाला है।

न्यू लैंड्स की पिच शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद करने वाली है पर बल्लेबाज भी यहां अपना कौशल दिखा सकते हैं। इस पिच पर दोनों टीमों के गेंदबाजी आक्रमण की परीक्षा होगी। केपटाउन में विकेट काफी ज्यादा सपाट है। इस कारण इस विकेट पर साझेदारियां बढ़ेंगी, जिससे इसमें खेलना कठिन होता है। वहीं यदि पारंपरिक रूप से न्यूलैंड्स में हवा चलने पर पिच सूख जाएगी। ऐसे में स्पिनर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूलैंड्स में 59 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 27 में जीत मिली है जबकि 21 बार मेहमान टीम को जीत मिली है। वहीं 11 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 23 मैचों में जीत हासिल की है जबकि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को 25 मैचों में जीत मिली है।

भारतीय टीम ने केपटाउन में 6 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उसे 4 में हार मिली है जबकि दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को केपटाउन में आज तक जीत नहीं मिली है। भारत का यहां शीर्ष स्कोर414 रन रहा है जो उसने साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका में बनाया था। वहीं भारतीय टीम का यहां सबसे कम स्कोर 135 रन रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने साल 2018 में भारत को यहां 135 रनों पर आउट कर दिया था। वहीं मेजबान दक्षिण अफ्रीका की टीम इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। ऐसे में वह इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

वहीं टीम इंडिया दूसरा टेस्ट मैच जीतकर सीरीज तो नहीं जीत सकती पर वह ड्रॉ जरूर करा सकती है। केपटाउन के न्यूलैंड्स की पिच पर भारत को अभी तक टेस्ट में जीत नहीं मिली है। ऐसे में टीम इंडिया यहां जीतकर इतिहास कायम कर सकती है। टीम इंडिया ने केपटाउन में अभी तक 6 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 4 में हार मिली है वहीं दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। इस मैच में मौसम साफ रहने की उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्कराम, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, कीगन पीटरसन, काइल वेरिन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), नांद्रे बर्गर, मार्को यानसन, वियान मुल्डर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, डेविड बेडिंघम।

जूनियर मुख्य चयनकर्ता के एपीएल में खेलने से निशाने पर आया पीसीबी

कराची ।
पाकिस्तान के राष्ट्रीय जूनियर मुख्य चयनकर्ता सोहेल तनवीर के अमेरिका में जारी टी20 लीग में खेलने पर सवाल उठने लगे हैं। इस मामले से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की आलोचना शुरु हो गयी है। इससे हितों के टकराव का मामला भी उठने लगा है। तनवीर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप टीम के लिए पाक टीम घोषित करने के तत्काल बाद ही अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) में खेलने चले गए थे। वहीं पीसीबी के एक अधिकारी ने तनवीर का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय जूनियर चयनकर्ता नियुक्त करते समय ही लीग में खेलने की अनुमति दी गई थी। गौरतलब है कि पाकिस्तान में सीनियर और जूनियर मुख्य चयनकर्ता और राष्ट्रीय चयनकर्ता के पदों पर वेतन दिया जाता है। ऐसे में तनवीर के एपीएल में प्रीमियम पाक्स की ओर से खेलने पर लोग सवाल उठा रहे हैं। इसका एक कारण ये है कि इस लीग को अभी अमेरिकी क्रिकेट परिषद से मंजूरी भी नहीं मिली है। वहीं तनवीर की ही तर्ज पर टीम के मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज भी अगले साल किस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर टीम निदेशक मोहम्मद हफीज ने कहा है कि वह अब केवल लीग क्रिकेट खेलने की जगह अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। गौरतलब है कि कुछ समय पहले पीसीबी ने मुख्य चयनकर्ता रहे इंजमाम उल हक को हितों के टकराव के आरोप में ही पद से हटा दिया था। ऐसे में तनवीर के एपीएल में खेलने पर सभी ने नाराजगी जतायी है।

मां बनने के बाद कोर्ट पर लौटीं ओसाका की जीत से शुरुआत, टाईब्रेकर में मिली रोमांचक जीत

ब्रिसबेन ।
मां बनने के बाद पहला मैच खेल रहीं जापान की नाओमी ओसाका ने साल के पहले दिन मुश्किल मैच जीतकर शुरुआत की। पूर्व नंबर एक ओसाका सितंबर 2022 के बाद पहला प्रतियोगी मैच खेल रही थीं। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता दूसरे सेट में 5-3 की बढ़त के बाद सर्विस गंवाई। उसके बाद उन्हें तीन मैच प्वाइंट की जरूरत थी। उन्होंने उसके बाद संयम कायम रखते हुए तमारा कार्पोस्टस्च को ब्रिसबेन इंटरनेशनल के पहले दौर में 6-3, 7-6 (9) से हराया। ओसाका ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेला था और बाद में खुलासा किया था कि वह मां बनने वाली हैं। जुलाई में उन्होंने लॉस एंजिलिस बिटिया शाई को जन्म दिया। मां बनने के बाद उन्होंने अपना पिछला मैच 2022 यूएस ओपन में खेला था जब वह पहले दौर में बाहर हो गई थी। उसके बाद उन्होंने वापसी से पहले कई महीने तैयारियों में बिताए हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं ऑटोग्राफ दे रही थी तो बच्चों के लेकर मेरा दृष्टिकोण बदला नजर आया है। मैं अब एक मां जो बन गई हूं। सोच रही थी कि कुछ समय बाद शाई इतनी बड़ी हो जाएगी। ओसाका का मुकाबला अब पूर्व नंबर एक तीन बार की ब्रिसबेन इंटरनेशनल चैंपियन कैरोलिना प्लिसकोवा से होगा। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीय होल्गर रुने ने ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पुरसेल को 4-6, 6-4, 6-2 हराया और तीसरी वरीय अमेरिका के 21 साल के बेन शेल्टन को रोमन

सैफियूलिन ने 6-3, 6-7, 6-3 से पराजित किया। 26 साल के रोमन की दुनिया में 39वीं रैंकिंग हैं लेकिन वह कार्लोस अल्कारेज और एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हरा चुके हैं। ब्रिसबेन इंटरनेशनल 14 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले तैयारी टूर्नामेंट माना जाता है। नाओमी ओसाका ने कहा वापसी को लेकर मैं थोड़ा नर्वस थी लेकिन सच पूछो तो मेरे लिए जिंदगी बदल गई है। मुझे हर समय लगा कि शाई (बिटिया) मुझे देख रही है। मैं उसके लिए अपना श्रेष्ठ करना चाहती हूं। मुझे उसका रोलमॉडल बनना है। दो बार की विंबलडन चैंपियन चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि वह इन गर्मियों में मां बनने जा रही हैं। उन्होंने नए वर्ष की शुभकामना देते हुए कहा कि जिरी और मैं अपने परिवार में नए मेहमान का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं।

डोप सैंपल लेने से रोका, कोच पर छह साल का प्रतिबंध; दो खिलाड़ी भी प्रतिबंधित

नई दिल्ली ।
डोपिंग कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) को खिलाड़ी का डोप सैंपल लेने से रोकने और उसके साथ हाथापाई, दुर्व्यवहार करने के मामले में कोच को नाडा के सुनवाई पैनल ने छह साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध के साथ कोच पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह भारतीय खेलों के इतिहास में पहला मामला है जब डीसीओ को डोप सैंपल से रोकने और उसके साथ हाथापाई करने के मामले में किसी कोच पर इतना बड़ा प्रतिबंध लगाया गया है। यही नहीं सुनवाई पैनल ने कोच के साथ संलिप्त दो जूडो खिलाड़ियों को भी चार और दो साल के लिए प्रतिबंधित किया है।

कोच पर बीते वर्ष लगा था हाथापाई का आरोप

बीते वर्ष जुलाई माह में नाडा का डीसीओ दिल्ली स्थित जूडो अकादमी में एक जुडोका का डोप सैंपल लेने गया था, लेकिन कोच नरेश आर्या ने डीसीओ को सैंपल लेने से रोका। मामला बढ़ने पर डीसीओ के साथ दुर्व्यवहार और हाथापाई का आरोप भी लगा। डीसीओ की शिकायत पर नाडा ने 24 जुलाई, 2023 को इस कोच को अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया। मामले की सुनवाई में यह साबित हो गया कि कोच ने डीसीओ को सैंपल लेने से रोका और दुर्व्यवहार, हाथापाई भी की, जिसमें अकादमी के दो जुडोकाओं ने उनका साथ दिया।

अब प्रशिक्षण नहीं दे पाएंगे

पैनल की चेयरपरसन चारू प्रज्ञा ने फैसले में कहा कि कोच ने डीसीओ के कार्य में बाधा डालते हुए नाडा के नियम 2.5 और 2.9 का उल्लंघन किया है और आर्टिकल 10.3.1, 10.3.4 और नियम 10.4 के तहत उन पर बीते वर्ष 24 जुलाई से छह साल का प्रतिबंध लगाया जाता है। प्रतिबंध की अवधि के दौरान कोच प्रशिक्षण की गतिविधि से दूर रहेंगे। वे किसी कंपटीशन, इवेंट में कोच और एथलीट मैनेजर की भूमिका नहीं निभा सकेंगे।

सोने के मेडल खत्म हो गए तुम चांदी ले जाओ

दिल्ली में निजी संस्था ने प्रतियोगिता के बाद खिलाड़ियों के साथ किया भद्दा मजाक

गुरुग्राम।
हरियाणा के खिलाड़ी भले ही देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रहे हो, लेकिन कुछ निजी खेल संस्थाएं उनकी प्रतिभा का सम्मान करने की बजाए, मजाक बना रही हैं। ऐसा ही एक मामला दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में निजी संस्था की ओर से आयोजित की गई एथलेटिक स्पर्धा के दौरान आया है।

वेटरन्स एथलेटिक एसोसिएशन दिल्ली ने कराया था आयोजन

इसमें गुरुग्राम के एक बुजुर्ग खिलाड़ी ने प्रतिभाग कर बेजोड़ प्रदर्शन किया और चार स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीते, लेकिन संस्था ने मेडल खत्म होने का हवाला देकर चांदी का मेडल थमा दिया। दरअसल, दिल्ली में 23 दिसंबर को वेटरन्स एथलेटिक एसोसिएशन दिल्ली की ओर से खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था। इसमें गांधीनगर निवासी धनीराम यादव ने चार स्पर्धाओं में प्रतिभाग किया था।

5000 मीटर दौड़ में पाया पहला स्थान

वह पांच किलोमीटर वाक रेस में पहले, 5000 मीटर दौड़ में पहला स्थान, 1500 मीटर दौड़ में पहले और 800 मीटर दौड़ में भी पहले स्थान पर रहे। धनीराम कहते हैं कि जब वह मेडल लेने पहुंचे तो कार्यक्रम संचालक ने सोने का मेडल खत्म होने की बात कहते हुए उसके बदले चांदी का मेडल लेने का हवाला दिया, इस पर उन्होंने विरोध जताया तो संचालक ने कहा कि अगर यह भी खत्म हो गए तो खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ेगा।

तीन स्वर्ण और एक सिल्वर जीता

ऐसे में वह मायूस होकर सोने के बदले दो चांदी के मेडल लेकर लौट आए। 25 दिसंबर को भी जीते मेडल इसके बाद धनीराम यादव 25 दिसंबर को आयोजित दिल्ली एथलीट एसोसिएशन आफ सीनियर सिटिजन संस्था की ओर से कराई गई खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें उन्होंने तीन स्वर्ण और एक सिल्वर जीता।

अब तक जीत चुके हैं 250 से ज्यादा मेडल

वह बताते हैं कि 5000 मीटर वाक में पहला, 3000 मीटर दौड़ में पहला और 800 मीटर दौड़ में पहला स्थान पाया, जबकि 1500 मीटर दौड़ में वह दूसरे स्थान पर रहे। दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त हो चुके 70 वर्षीय धनीराम इससे पहले वे 10 और 21 किलोमीटर की 70 मैराथन में दौड़ चुके हैं। वह अब तक 250 से ज्यादा मेडल जीत चुके हैं, इसमें 60 नेशनल स्तर पर पदक शामिल हैं।

ब्रॉड बोले, संन्यास का कोई पछतावा नहीं

लंदन । गत वर्ष एशेज सीरीज के बाद संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि वह कुछ और साल खेल सकते थे पर उन्होंने शीर्ष पर रहते हुए खेल को अलविदा कहना बेहतर समझा। ब्रॉड ने कहा कि उन्हें संन्यास लेने का कोई पछतावा नहीं है। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह कुछ साल और खेल सकते थे पर वह शीर्ष पर रहते हुए खेल से संन्यास से खुश हैं। इसलिए उन्हें अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। गौरतलब है कि ब्रॉड ने द ओवल में पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने अपने करियर के दौरान 167 टेस्ट मैचों में 604 विकेट लिए थे और कुल 847 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। ब्रॉड ने कहा, मैं मन ही मन सोचता हूं कि मैं कुछ और वर्षों तक खेल सकता था पर मैं शीर्ष पर रहना चाहता था, इंग्लैंड की जर्सी पहनकर करियर का समापन करना चाहता था। मेरा प्रयास सही समय पर क्रिकेट छोड़कर जाना था। मैं यह कर पाने में सफल हुआ। मुझे अभी तक कोई पछतावा नहीं है, जो मुझे लगता है कि यह सही निर्णय था, क्योंकि मेरे टीम के साथी खिलाड़ी इंग्लैंड की कैप और जर्सी पहने आखिरी बार मेरे साथ मैदान पर थे। साथ ही कहा कि मैं इससे बेहतर तरीके से करियर समाप्त नहीं कर सकता था। आगे खेलने पर मैं अपने प्रदर्शन को बनाये नहीं रख सकता था।

परवरिश

बच्चों को घर में छोड़ रहे हैं अकेला तो रखें 5 बातों को ख्याल

बच्चों के खानपान के साथ ही उनकी परवरिश पर भी ध्यान देना होता है. आजकल लगभग 80 प्रतिशत माता-पिता वर्किंग हैं. ऐसे में बच्चे स्कूल से आने के बाद शाम तक अकेले रहते हैं. दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा भी है जो अपने बच्चों को हमेशा अपने साथ ही रखते हैं. उन्हें एक मिनट के लिए भी अकेला नहीं छोड़ते लेकिन कई बार ऐसा समय भी आता है, जब माता-पिता को मजबूरी में या कहीं आपातकाल में बच्चों को अकेला छोड़ना भी पड़ता है.

इसके लिए वह खुद की तसल्ली भी कर लेना चाहते हैं कि उनके बच्चे अब थो? समझदार हो गए हैं और कुछ समय के लिए उन्हें अकेला छोड़ा जा सकता है. लेकिन ऐसे वक्त में भी आपको बच्चों पर ध्यान देने की ज्यादा जरूरत होती है. आज हम आपको ऐसी कुछ बातें बता रहे हैं, जिन्हें आप बाहर जाते वक्त फॉलो कर सकते हैं.

मोबाइल होना जरूरी

जब बच्चे घर पर अकेले हो तो उनके पास मोबाइल होना बहुत जरूरी है. ऐसी स्थिति में अगर बच्चों को कोई समस्या है या फिर आपको बच्चों से कोई बातचीत करनी है, तो आप बहुत आसानी से कर सकते हैं. साथ ही आपको इस बात की जानकारी भी मिलती रहेगी कि वो क्या कर रहे हैं और उन्हें किसी चीज की जरूरत तो नहीं है.

खाने-पीने की चीजें रखें

जब भी पेरेंट्स घर से बाहर जाए तो टेबल पर या डाइनिंग टेबल पर कुछ खाने पीने की चीजें जरूर रखें. खेल-कूद के कारण बच्चों को जल्दी भूख लग जाती है. किचन में जाना उनके लिए ठीक नहीं होता. ऐसे में खाने-पीने की चीजें पहले ही टेबल पर रख कर जाएं.

कमरे में बंद न करें

कई बार पेरेंट्स बच्चों को लेकर पजेसिव हो जाते हैं कि बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उन्हें कमरे में बंद कर देते हैं, ताकि बच्चे घर से बाहर ना जाए और कोई उनके बच्चों के साथ गलत हरकत ना कर दें. जबकि ये बहुत गलत अभ्यास है. बच्चों को कभी भी एक कमरे में बंद न करें. किसी तरह की अनहोनी होने पर उनका बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है.

कुंडी खोलना और बंद करना सिखाएं

इमेरजेंसी के वक्त को देखते हुए बच्चा को घर के दरवाजों की कुंडी खोलना और बंद करना जरूर आना चाहिए. जब पेरेंट्स घर पर नहीं होते तब कुछ छोटी-छोटी बातों की जानकारी बच्चों के लिए बहुत जरूरी होती है. यानि कि दरवाजे की कुंडी खोलना और बंद करना बच्चों को जरूर आना चाहिए.

गेम देकर जाएं

अगर आपने घर से बाहर जाते वक्त बच्चों को शैतानी करने की मनाही की है, तो बच्चों को कोई गेम या होमवर्क दे कर जाएं. ताकि वह काम में व्यस्त रहें और आप घर से बाहर ज्यादा समय न बिताएं. कोशिश करें आप घर जल्दी आ जाएं और घर से ज्यादा दूर न जाएं.

सस्ता और उपयोगी माध्यम साइकिल

आजकल फिटनेसफैशन में शुमार हो गया है। हर इन्सान अपने आप को फिट दिखना चाहते है लेकिन आम तौर पर स्त्रियों के लिए इसके लिए कुछ कर पाना बेहद मुश्किल होता है। एक तो काम की व्यस्ताएं व्यायाम के नाम पर कुछ करने नहीं देतीं, दूसरे शहरी भाग-दौड़ की जिंदगी में जहां समय का अभाव है और लोग कामकाज के बाद परिवार के साथ ही बचा हुआ वक्त ज्यादा से ज्यादा बिताना चाहते हैं। न ही जिम की महंगी सदस्यता हासिल करने की क्षमता। ऐसे में आप एक सस्ते रुख और उपयोगी माध्यम से अपने आपको स्वस्थ और चुस्त रख सकती हैं। वह माध्यम है साइकिलिंग।

जाने साइकिल के फायदे के बारे में

साइकिल व्यायाम करने का आसान और सस्ता जरिया है। इसके लिए न तो किसी व्यायाम विशेषज्ञ से सलाह लेने की जरूरत पड़ती है और न ही जगह तलाशने की चिंता होती है। साइकिलिंग घर के नजदीक के पार्क में या सड़क पर आसानी से की जा सकती है। आज यातायात के कई साधन ईजाद हो गए हैं लेकिन साइकिल की महत्ता आज भी बरकरार है। पुराने समय में बैलगाड़ियों के बाद इसे एक शाही सवारी माना जाता था। जिस समय बस, ट्रक, कार और ट्रेन नहीं हुआ करती थीं, उस समय साइकिल को ही सबसे ज्यादा भरोसेमंद और उपयोगी सवारी माना जाता था। शहरों को अगर छोड़ दें तो आज भी कस्बों और गांवों में साइकिल एक आम आदमी की सवारी है। भारत, चीन और एशिया के अन्य देशों में हर साल लाखों साइकिलें बनती हैं।

साइकिलिंग के फायदे

सस्ता और उपयोगी माध्यम साइकिलयह व्यायाम का एक ऐसा माध्यम है जो बिना किसी खर्च के आपको फिट रख सकता है। आज के समय में साइकिलिंग का एक ही अलग ही महत्व सामने आया है। साइकिल के जरिए व्यायाम आप ऑफिस जाते वक्त भी कर सकती हैं। यदि आपका ऑफिस करीब हो और आप साइकिल से जा सकती हों तो ऐसा जरूर करें। साइकिल चलाने से शरीर के किसी खास हिस्से का नहीं बल्कि पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। साइकिल चलाते वक्त हमारे शरीर की सारी मांसपेशियां काम करती हैं जिससे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

कुछ खास बातें भी ध्यान में रखें

- साइकिल चलाते समय चप्पल या सैंडिल के बजाय जूते पहनें। इससे साइकिल चलाने में सहूलियत होगी।
- जॉगिंग सूट या ढीला ट्राउजर पहन कर ही साइकिल चलाएं। यदि साइकिल चलाते वक्त आप सलवार-कुर्ता पहनती हैं तो दुपट्टे को पीछे बांध लें।
- अपनी क्षमता के अनुसार ही साइकिल चलाएं।
- साइकिलिंग की शुरुआत धीमी गति से करें। शुरू के दिनों में कम समय के लिए साइकिल चलाएं फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाएं।
- अगर आप अस्थमा से पीड़ित हैं तो डाक्टर से सलाह-मशविरा कर उनके कहे अनुसार ही साइकिल चलाने का समय सीमा निर्धारित करें।
- साइकिलिंग के लिए सुबह या शाम का वक्त सबसे अधिक उपयुक्त होगा।

साइकिल एक्सरसाइजर

अगर आपका ऑफिस घर से बहुत दूर हो या घर के बाहर जाकर साइकिल न ही चलाना चाहती हों तो ऐसी स्थिति में आप बाजार में उपलब्ध एक्सरसाइज के लिए विशेष रूप से बनाई गई साइकिल जिसे साइकिल एक्सरसाइजर कहा जाता है, ले सकती हैं। ऐसी साइकिलें कम दाम से लेकर ज्यादा दाम रेंज में उपलब्ध है। प्रतिदिन करीब आधा घंटा साइकिल चलाने से स्फूर्ति पैदा होती है। वैसे साइकलिंग का मुख्य रूप से न्यूरोलॉजिकल ट्रीटमेंट में प्रयोग किया जाता हैं। मसल्स की कमजोरी हो या कोई चोट, उस स्थिति में भी साइकिलिंग करने का सुझाव दिया जाता है। लकवा मारने पर भी ट्रीटमेंट के दौरान एक स्टेज पर आकर साइकिलिंग करने की सलाह दी जाती है।

क्या कहते हैं फिटनेस विशेषज्ञ

लगभग सभी फिटनेस विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिलिंग के बहुत सारे फायदे हैं। इसलिए साइकिलिंग पर हमारा विशेष जोर होता है। साइकिलिंग एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आपके हृदय की मांसपेशियों का मसाज हो जाता है। नियमित रूप से साइकिलिंग करने से शरीर में रक्त का संचार सुचारु रूप से होने लगता है। यही नहीं, यह हमारे हृदय को भी मजबूती प्रदान करता है। आजकल ब्लड प्रेशर की की समस्या से हर कोई परेशान है। वहीं साइकिलिंग करके आप अपने रक्तचाप को सामान्य कर सकती हैं।

उपयोगी और सस्ता माध्यम

साइकिलिंग व्यायाम की दृष्टि से बेहद उपयोगी, सस्ता और टिकाऊ उपाय है। शरीर के मोटापे को कम करने के लिए साइकिल का बखूबी इस्तेमाल किया जा सकता है। साइकिल चलाने से शरीर के सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है। शरीर के अंगों को सुडौल रूप देने में व मसल्स बनाने के लिए भी यह एक बेहतरीन तरीका है। खासकर पैरों की मसल्स के लिए और कूल्हों के अच्छे शेप के लिए साइकिलिंग एक आसान माध्यम है। इन सबके साथ-साथ इसका एक बड़ा फायदा यह है कि इससे शरीर को सुंदर आकार मिलता है और जोड़ों पर भी कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता।

डॉक्टर से कंसल्ट करें

पैरों के लिए साइकलिंग एक बेहद प्रभावी एक्सरसाइज है। आप साइकलिंग के जरिए अपने शरीर के निचले हिस्से को मजबूत बना सकते हैं। साइकिल का रखरखाव करने में ज्यादा मेहनत भी नहीं करना पड़ता, साइकलिंग करने से स्ट्रेस कम होता है और दिमाग शांत रहता है। साइकलिंग करने से वजन भी कंट्रोल में रहता है और पेट की चर्बी भी कम होती है। साइकलिंग शुरू करने से पहले अपना मेडिकल चेकअप करा लें और एक बार इस बारे में अपने डॉक्टर से जरूर कंसल्ट कर लें।

शोध के अनुसार

नियमित रूप से साइकिल चलाने से दिल की बीमारियों और असमय मौत से भी बचा जा सकता है। साइकिल चलाना कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है। शोध के मुताबिक, नियमित रूप से साइकिल चलाने से दिल की बीमारियों और असमय मौत से भी बचा जा सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि दफ्तर तक साइकिल से जाना पैदल जाने से भी ज्यादा लाभकारी है। साइकिल के नियमित इस्तेमाल से कैंसर का खतरा 45 फीसद और दिल की बीमारियों का खतरा 46 फीसद तक कम हो जाता है। वहीं पैदल चलने से दिल की बीमारियों का खतरा 27 फीसद घट जाता है। साथ ही इन बीमारियों से जान जाने का खतरा 36 फीसद तक कम हो जाता है। पैदल चलना कैंसर की आशंका को कम नहीं करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाकर एक व्यक्ति 30 मिनट में लगभग 300 कैलोरी जला सकता है। यदि आप साइकिलिंग सामान्य की अपेक्षा तेज गति से करती हैं तो 300 से भी ज्यादा कैलोरी जला सकती हैं। ऐसे में साइकिलिंग सस्ता और उपयोगी एक्सरसाइजर है।

टैबलेट की स्पीड बढ़ जाएगी पहले से चार गुना

आजकल ज्यादातर लोग लैपटॉप की जगह टैबलेट यूज करना ज्यादा पसंद करते हैं। एक तो यह इजी कैरी हो जाते हैं और दूसरा इससे यूजर्स अपने सारे काम आसानी से कही भी कर सकते हैं। लेकिन दिक्कत तब आती है जब टैबलेट की स्पीड धीरे-धीरे कम होने लगती है, जिससे यूजर्स को काम करनें परेशानी आती है÷

हालांकि टैबलेट्स की स्पीड कम होने के कारण होते हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए आज हम आपको टैबलेट की स्पीड को बढ़ाने के कुछ आसान टिप्स बताएंगे। आइए जानते हैं..

थर्ड पार्टी एप्प को अनइंस्टॉल कर दें : टैबलेट में सिर्फ वहीं एप्स रखें जो आपके काम की है, बाकि सभी एप्स को डिलीट कर दें जिनका आप इस्तेमाल नहीं करते।

एप्स कैचेज को क्लीयर करें: कैच्ड डाटा आपके टैबलेट की स्पीड को धीरे कर देते हैं। ऐसे में आपको एप्स मीनू में जाकर कैचेज को डिलीट करें। इसके अलावा गूगल प्ले स्टोर पर अपने आप कैच्ड डेटा को क्लीयर करने वाले फ्री प्रोग्राम भी उपलब्ध हैं जैसे एप कैच क्लीनर तथा क्लीन मास्टर आदि। ये सॉफ्टवेयर अपने आप ही आपके टैबलेट के कैच्ड डेटा को डिलीट करते रहेंगें औप उसकी गति बढ़ेगी।

लाइव वॉलपेपर्सङ्क लाइव वॉलपेपर्स का इस्तेमाल न करें। क्योंकि ये आपके टेबलेट की बैटरी लाइफ पर बुरा असर डालते हैं, जिससे उसकी स्पीड कम हो जाती है।

एनिमेशंस को डिसेबल करें: टैबलेट में किसी एप्प को ऑपन और क्लोज करते समय दिखने वो एनिमेशंस उसकी बैटरी लाइफ पर असर डालते हैं। ऐसे में एनिमेशंस को बंद करने पर आपके टैबलेट की गति अपने आप बढ़ जाएगी। ऐसे करें- टैबलेट के सेटिंग में जाएं, फिर डवलपर्स ऑप्शन, इसके बाद स्क्रॉल डाउन कर ड्रॉविंग ऑप्शन में जाएं। यहां पर दिखने वाले विंडो एनिमेशन स्केल, ट्रांसिटिशन एनिमेशन स्केल तथा एनिमेटर डयूरेशन स्केल को टर्न ऑफ कर दें। सॉफ्टवेयर अपडेट्स करते रहेंङ्क सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनियां समय-समय पर अपने सॉफ्टवेयर का नया अपडेट जारी करती रहती है। ये नए अपडेट्स ज्यादा सिक्योरिटी और बग फिक्सेज होते हैं। ऐसे में समय-समय पर अपने टैबलेट में मौजूद एप्स अथवा सॉफ्टवेयर्स अपडेट करते रहें। टैबलेट में ये अपडेट्स ऑटोमेटिक ही आते रहते हैं, जिन्हें आप फोन की सेटिंग में जाकर अबाउट टैबलेट में जाकर डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद आपके टैबलेट की गति अपने आप बढ़ जाएगी।

कार खरीदने से पहले करें यह जरुरी काम

कार खरीदना सभी का एक सपना होता है। वहीं कार कंपनियों ने कुछ किफायती मॉडल निकालकर सभी लोगों के मन में यह सपना काफी मजबूत कर दिया है। हालांकि सपना सभी का है लेकिन किसी का बड़ा और किसी का छोटा। ऐसे में जब आप कार खरीदने का मन बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए मददगार हो सकती है। आमतौर पर जब भी कार खरीदने की प्लानिंग की जाती है, उस समय आपने किसी रिश्तेदार के पास जो कार होती है, पहली पसंद वही होती है। इसकी वजह है कि आप ऐसी बात और जानकारी उसी व्यक्ति से ही पूछते हैं जिसके पास कार हो। जबकि दुनियाभर में कोई ऐसा नहीं जो अपनी चीज की तारीफ न करे या अपनी चीज में नुक्श निकाले। अधिकांश यही किया जाता है, जोकि बिलकुल गलत है। इस आर्टिकल में हम बताने जा रहे हैं कुछ ऐसी खास 5 बातें, जो कार खरीदने से पहले करेंगे तो आपको किसी भी उलझन का सामना नहीं करना पड़ेगा। आइए, जानते हैं वह सभी बातें

रिसर्च: खास फैसला है कि आखिर कौनसी कार खरीदी जाए। इस मामले में सभी की पसंद अलग-अलग होती है। किसी की पसंद लग्जरी तो किसी की प्रिमियम, किसी की हैचबैक तो किसी की कुछ और। ऐसे में आपको मार्केट रिसर्च कर अपना फैसला लेना चाहिए। ऐसा नहीं है कि आपकी पसंद एक ही कार में हो, बल्कि उससे भी बेहतर कार आपके घर में पार्क हो सकती है। बस जरूरत है मार्केट रिसर्च की। इसके लिए ऑनलाइन वेबसाइट की मदद ली जा सकती है, डीलरशिप पर जाने की जहमत उठा सकें तो बेहतर। टेस्ट ड्राइव एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

पेपर वर्क: ऐसे मामलो में जल्दबाजी बिलकुल न करें। अपने पेपर वर्क को सजगता से लें। कार प्लानिंग से ही अपने सभी डॉक्यूमेंट यथा पैन कार्ड, बैंक स्टेटमेंट, पासबुक, आईकार्ड या रिजिडेंट प्रुफ आदि को रेडी कर लेना चाहिए ताकि बाद में कुछ चाहिए तो सभी अपनी जगह पर ही मिले। इसके अलावा, डीलरशिप से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, वॉरंटी डॉक्यूमेंट और सेफ्टी सर्टिफिकेट आदि के बारे में विस्तार से जानें। अगर कार खरीद चुके हैं तो रोड टेक्स रिसिप्ट, वैट इनवॉइस और कार परचेज इनवॉइस लेना न भूलें।

फ्यूल फैक्टर

फ्यूल फैक्टर यानि माइलेज कार खरीदी में काफी महत्वपूर्ण हिस्सा कहा जा सकता है। अधिकांश कारें पेट्रोल व डीजल विकल्प के साथ उपलब्ध है। ऐसे में कौनसी कार चाहिए, यह फैसला करना खासा जरूरी है। डीजल के मुकाबले पेट्रोल मॉडल सस्ता आता है लेकिन आपको प्रतिदिन ज्यादा दूरी का सफर तय करना हो तो डीजल बेहतर विकल्प है।

फायनेंस ऑप्शन

कम ही लोग होते हैं जिन्हें कार खरीदने में लोन की जरूरत नहीं होती। नौकरीपेशा को इस काम में लोन सबसे ज्यादा जरूरी होता है। टाइम की कमी और अपने बिजी सेड्यूल के चलते बैंकों के चक्कर लगाना भी मुनासिब नहीं। ऐसे में ऑनलाइन रिसर्च व कम्पेयर करना न केवल आपके लिए फायदे का सौदा होगा बल्कि आपके समय की भी बचत करेगा।

रेसिपी

डेथ स्टार चीज़ बॉल

सामग्री

क्रीम चीज़ : 715 ग्राम
चेडर चीज़ : 150 ग्राम
परमेज़न चीज़ : 75 ग्राम
लहसुन पाऊडर : 1 छोटा चम्मच
बारीक कटा हरा प्याज : 1 बड़ा चम्मच
काले तिल के बीज : जरूरत अनुसार
सफेद तिल के बीज: जरूरत अनुसार

विधि

एक बाउल में 715 क्रीम चीज़, 150 ग्राम चेडर चीज़, 75 ग्राम परमेज़न चीज, 1 छोटा चम्मच लहसुन पाऊडर और 1 छोटा चम्मच हरा प्याज डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। इसके बाद सारे मिश्रण को एक प्लास्टिक शीट में निकालकर 2 घंटे के लिए रैफ्रिजरेटर में रख दें। अब एक प्लेट में काले और सफेद तिल के बीज डालें और इन्हें अच्छे से मिला लें। फिर रैफ्रिजरेटर में रखें मिश्रण को प्लास्टिक शीट से निकाल कर प्लेट में रोल करें। एक चम्मच की सहायता से इस बॉल के ऊपरी हिस्से पर एक सर्कल बनाएं। फिर चाकू के साथ साईडों पर हल्का सा काट लें। आपकी डेथ स्टार चीज़ बॉल तैयार है। इसे बिस्कुट के साथ खाएं।

इडली स्टिर फाई

सामग्री

सूजी : 270 ग्राम ,दही: 370 ग्राम पानी : 50 मिलीलीटर ,नमक : 1 चम्मच फ्रुट सॉल्ट : छोटा डेढ़ चम्मच पानी :1 बड़ा चम्मच ,तेल : ब्रश करने के लिए तेल : फाई करने के लिए तेल : 1 बड़ा चम्मच ,सूखी लाल मिर्च : 3 अदरक-लहसुन का पेस्ट : 1 बड़ा चम्मच हरा प्याज : 65 ग्राम ,शिमला मिर्च : 105 ग्राम चिली सॉस : 2 चम्मच सोया सॉस : 1 बड़ा चम्मच नमक : 1 छोटा चम्मच , तिल के बीज : 1 बड़ा चम्मच

विधि

एक बाउल में 270 ग्राम सूजी, 370 ग्राम दही, 50 मिलीलीटर पानी, 1 चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इस मिश्रण को 10 मिनट के लिए रख दें। फिर इसमें छोटा डेढ़ चम्मच फ्रूट सॉल्ट, 1 बड़ा चम्मच पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इडली बनाने वाले बर्तन में ब्रश की सहायता से तेल लगाएं। इसके बाद इसमें चम्मच की सहायता से इडली के मिश्रण को डालें। इसे 10-12 मिनट तक स्टीम करें या जब तक इडली अच्छे से पक नहीं जाती। थोड़ा ठंडा होने पर इडली को एक बाउल में डाल दें। इसके बाद इडली की लंबी-लंबी स्लाइस काट लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर पर्याप्त तेल गर्म करें और इडली को इसमें सुनहरा भूरा और कुरकुरा होने तक फाई करें। फिर इसे अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल कर एक तरफ रख दें। एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच तेल, 3 सूखी लाल मिर्च, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 65 ग्राम हरा प्याज डालकर 2-3 मिनट के लिए भूनें। अब 105 ग्राम शिमला मिर्च डालकर 3-5 मिनट के लिए भून लें। सॉस, 1 छोटा चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तिल के बीज डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। आपकी इडली स्टिर फाई तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**